डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा- 12 साल के करियर में सिर्फ छह हिट फिल्में

वर्ष -08 अंक -111 | प्रयागराज, गुरुवार 07 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नादिम जहावी को ब्रिटेन का नया वित्त मंत्री नियुक्त किया गया, स्टीव बार्कले ने संभाला स्वास्थ्य मंत्री का पद.....

नई दिल्ली । वित्त मंत्री ऋषि सुनक और स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने पीएम बोरिस जॉनसन की लीडरशिप का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया। साजिद जाविद ने कहा कि उन्होंने घोटालों की एक श्रृंखला के बाद जॉनसन की राष्ट्रीय हित में शासन करने की क्षमता में विश्वास खो दिया है। ब्रिटेन की राजनीति में नई उथलपुथल मच गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ऋषि सनक की जगह मंगलवार को नादिम जहावी को वित्त मंत्री नियुक्त किया। 55 वर्षीय जाहावी को एक ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली है, जो संभवतः तीव्र मंदी या मंदी की ओर बढ़ रही है। जाहावी पहले शिक्षा मंत्री थे। उनकी जगह मिशेल डोनेलन को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं स्टीव बार्कले को स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल मंत्री नियुक्त किया गया है। इससे पहले स्टीव बार्कले बोरिस जॉनसन के चीफ आफ स्टाफ के रूप में काम कर रहे थे।इससे पहले वित्त मंत्री ऋषि सुनक और स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने मंगलवार को अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इन्होंने पीएम बोरिस जॉनसन की लीडरशिप का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया था। बोरिस जॉनसन ने अपने एक मंत्री पर यौन दुराचार की शिकायत से जुड़े नवीनतम मामले के लिए माफी मांगने की कोशिश की थी।

शिंदे ने उद्धव को कैसे दी मात फडणवीस अंधेरे में क्यों बदलते थे रूप, पत्नी ने बताया पहचानना होता था मुश्किल

महाराष्ट्र। अमृता फडणवीस बताती हैं, देवेंद्र फडणवीस अक्सर रात के समय में एकनाथ शिंदे से मिलने जाते थे। इसके लिए वे अपनी वेशभूषा बदलते थे। वे इस तरह का रूप धारण कर लेते थे कि मेरे लिए भी उनको पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने जिस तरह से उद्धव ठाकरे को मात दी, वह राजनीति के विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाला है। सबके अपने-अपने दावे धरे रह गए और सूत्र भी लगभग झूठे साबित हुए। उद्धव ठाकरे को सत्ता से बाहर करने के लिए शिंदे के साथ फडणवीस ने जो सीक्रेट प्लान तैयार किया, उसकी खबर उनकी पतिन्यों को भी नहीं थी। खुद देवेंद्र फडणवीस की पतने अमृता ने इसका खुलासा किया है। अमृता ने बताया शिंदे गुट की बगावत और सद्धव सरकार से लेकर सीएम उद्धव ठाकरे और राजनीतिक पंडितों को भी बगावत की कानोंकान खबर तक न लगी।फडणवीस को पहचान पाना था मुश्किल अमृता फडणवीस बताती हैं, देवेंद्र फडणवीस अक्सर रात के समय में एकनाथ शिंदे से मिलने जाते थे। इसके लिए वे अपनी वेशभूषा बदलते थे। वे इस तरह का रूप धारण कर लेते थे कि मेरे लिए भी उनको पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। अमृता बताती हैं कि देवेंद्र अक्सर बड़ी सी जैकेट, आंखों पर बड़ा सा चश्मा और अलग-अलग कपड़े पहनकर बाहर जाते थे। अमृता आगे कहती हैं, वह यह तो नहीं जानती थीं कि क्या होने वाला है, लेकिन इतना जरूर पता था कि कुछ बड़ा होने वाला है। शिंदे ने भी कहा था, वह देवेंद्र से मिलते थे इससे पहले खुद एकनाथ शिंदे भी इस बात को कह चुके हैं कि वे अक्सर रात में देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करते थे। विधानसभा में उन्होंने कहा था कि जब सभी विधाायक सो जाते थे तब वह फडणवीस से मिलने जाते थे और उनके जागने से पहले होटल वापस चले आते थे। शिंदे का समर्थन करने वाले विधायकों को भी नहीं पता था कि वह फडणवीस से कब और कहां मिलते हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 19 जुलाई को नामांकन की आखिरी तिथि है। छह अगस्त को मतदान होगा। नतीजे भी छह अगस्त को ही आएंगे। इसी के साथ एनडीए और यूपीए में उम्मीदवारों के नामों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि द्रौपदी मुर्मू की तरह की उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार के नाम से भी भाजपा सबको चौंका सकती है। वहीं, विपक्ष भी इस बार मजबूत उम्मीदवार उतारने की रणनीति तैयार करने में जुट गया है। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए खास रणनीति बनाई है। आइए जानते हैं विपक्ष की रणनीति क्या है? इस बार विपक्ष में किन-किन नामों की हो रही चर्चा? उपराष्ट्रपति का चुनाव कैसे होता है? पहले जानिए विपक्ष की क्या है रणनीति भाजपा की तरह ही विपक्ष भी उपराष्ट्रपति पद के लिए रणनीति बनाने में जुट गया है। कांग्रेस के एक दिग्गज नेता नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं, 'उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए इस बार कांग्रेस विपक्ष की अगुआई करेगी। राष्ट्रपति चुनाव में टीएमसी ने शुरुआत की थी। उस दौरान उम्मीदवारों के चयन और विपक्षी दलों को एकजुट करने में कई तरह की दिक्कतें आईं। अब उपराष्ट्रपति चुनाव में ऐसा न हो इसके लिए रणनीति बनाई जा रही है।' कांग्रेस नेता आगे कहते हैं, 'इस बार हम सभी विपक्षी दलों को एक साथ बैठाकर प्रत्याशी का चयन करेंगे। हां, कांग्रेस की जो रणनीति है, उसके हिसाब से इस बार किसी दक्षिण भारतीय या फिर नॉर्थ ईस्ट के नामी चेहरे को उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रस्तावित कर सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि राष्ट्रपति के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा बिहार से हैं। ऐसे में उत्तर भारत से ही किसी को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल रिस्क नहीं लेना चाहेंगे। कांग्रेस यह भी चाहेगी कि उपराष्ट्रपति का जो भी उम्मीदवार हो, उसके नाम पर सभी विपक्षी दलों की सहमति बन जाए। जो राष्ट्रपति चुनाव में नहीं हो पाया था।' प्रो. अजय आगे कहते हैं, 'विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार को बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल, बसपा, जेडीएस जैसी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन नहीं दिया। इन सभी दलों ने एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का साथ देने का एलान किया है। ऐसे में इन दलों को फिर से विपक्ष में एकजुट करना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती होगी। इसके अलावा झामुमो, आम आदमी पार्टी, तेलुगु देशम पार्टी का स्टैंड अब तक क्लियर नहीं हो पाया है। ये भी एनडीए उम्मीदवार को समर्थन दे सकते हैं। इसलिए इन पार्टियों को भी उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार के लिए अपने साथ कांग्रेस वापस लाना चाहेगी।'कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के एक नेता कहते हैं, 'अभी पार्टी में किसी नाम को लेकर चर्चा नहीं शुरू हुई है। हां, इतना जरूर है कि कुछ विशिष्ट हस्तियों की सूची तैयार की जा रही है। इनमें वरिष्ठ नेता, पूर्व जज, दिग्गज अर्थशास्त्रियों आदि को शामिल किया जा रहा है। विपक्ष में शामिल अन्य दलों से भी नाम मांगे जा रहे हैं, ताकि जब बैठक हो तो सभी पर चर्चा हो सके।' कांग्रेस नेता आगे बताते हैं कि पार्टी क्षेत्र, जाति, धर्म और संभावित प्रत्याशी की व्यक्तिगत छवि को देखते हुए ही कुछ फैसला लेगी।

कोविड केस और संक्रमण दर में बढ़ोतरी, महामारी से २८ लोगों की गई जान

नई दिल्ली ।बीते 24 घंटे में 16,159 नए संक्रमित मिले, वहीं 28 लोगों की मौत हो गई। दैनिक संक्रमण दर 3.56 फीसदी पर पहुंच गई। फिर नए मरीजों और संक्रमण दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में 16,159 नए संक्रमित मिले, वहीं 28 लोगों की मौत हो गई। दैनिक संक्रमण दर 3.56 फीसदी पर पहुंच गई। सक्रिय केस बढ़कर 1,15,212 हो गए। मंगलवार को देश में 13,085 नए संक्रमित मिले थे, जबकि सोमवार को 16,135, रविवार को 16,103 और शनिवार को 17,092 और शुक्रवार को 17,070 संक्रमित मिले थे। इससे स्पष्ट होता है कि नए कोरोना मामले रोज कम ज्यादा हो रहे हैं।

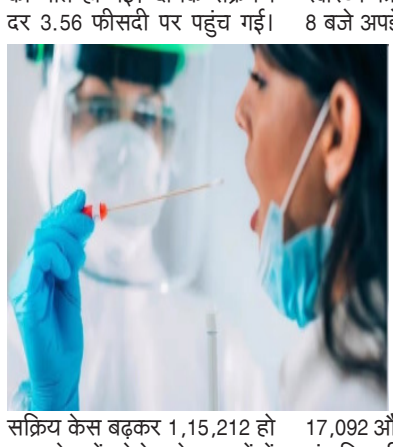

सक्रिय केस बढ़कर 1,15,212 हो गए। देश में कोरोना के मामलों में घट-बढ़ का सिलसिला जारी है। मंगलवार की तुलना में बुधवार को

लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम संयुक्त राष्ट्र के सैन्य कमांडर.....

नई दिल्ली । भारत के लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम को दक्षिण सूडान में यूएन मिशन का नया सैन्य कमांडर नियुक्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुतेरस ने ले. जनरल सुब्रमण्यम की नियुक्ति का आदेश जारी किया। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम ने भारतीय सेना से भी लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनेकर की जगह ली। तिनेकर को मई 2019 में दक्षिण सूडान मिशन का फोर्स कमांडर बनाया गया था। सुब्रमण्यम का 36 वर्षों से अधिक समय तक भारतीय सेना में विशिष्ट सैन्य कैरियर है। हाल ही में उन्होंने मध्य भारत में जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मिलिट्री रीजन (ऑपरेशनल एंड लॉजिस्टिक रेडीनेस जोन) के रूप में कार्य किया था। इससे पहले, उन्होंने रक्षा मंत्रालय (सेना) (2019-2021) के एकीकृत मुख्यालय में खरीद और उपकरण प्रबंधन के लिए अतिरिक्त महानिदेशक, स्ट्राइक इन्फैंट्री डिवीजन (2018-2019) के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया। उन्होंने वियतनाम, लाओस और कंबोडिया (2008-2012) में भारत के रक्षा अधिकारी के रूप में और 2000 में सिएरा लियोन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ अधिकारी के रूप में कार्य किया था।

मोइत्रा ने खफा होकर टीएमसी का ट्विटर हैंडल अनफॉलो किया, भाजपा ने गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली । मोइत्रा ने मंगलवार को कहा था कि काली के कई रूप हैं। मेरे लिए काली का मतलब मांस और शराब स्वीकार करने वाली देवी है। सांसद महुआ मोइत्रा डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'काली' के पोस्टर से उठे विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी से टीएमसी के किनारे करने से खफा हो गई हैं। उन्होंने नाराज होकर अपनी ही पार्टी के ट्विटर हैंडल को अनफॉलो कर दिया। मोइत्रा ने मंगलवार को कहा था कि काली के कई रूप हैं। मेरे लिए काली का मतलब मांस और शराब स्वीकार करने वाली देवी है। इस बयान पर विवाद खड़ा हुआ तो पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की पार्टी ने उससे दूरी बना ली थी। इसे लेकर अब मोइत्रा टीएमसी से नाराज बताई जा रही है। हालांकि, मोइत्रा ने सीएम ममता बनर्जी के ट्विटर हैंडल से संपर्क कायम रखा है। वह उसे फॉलो कर रही हैं बंगाल के कृष्णानगर से लोकसभा सदस्य मोइत्रा अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस बार मामला फंस गया है। मां काली पश्चिम बंगाल के लिए अत्यंत संवेदनशील मुद्दा है। उन्हें लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी से टीएमसी को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए महुआ ने जैसे ही एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में उक्त फिल्म के पोस्टर को लेकर टिप्पणी की, तृणमूल कांग्रेस ने तुरंत उससे पल्ला झाड़ लिया। विवादित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'काली' लीना मणिमेकलई ने बनाई है। इसका पोस्टर जारी होते ही फिल्म विवाद में घिर गई। इस पोस्टर में मां काली को सिगरेट पीते दिखाया गया था। उनके एक हाथ में एलजीबीटी समुदाय का सतरंगी झंडा भी नजर आ रहा था। सांसद मोइत्रा ने चर्चा के दौरान कहा था, 'यह आप पर निर्भर करता है कि आप अपने भगवान को कैसे देखते हैं। अगर आप भूटान और सिक्किम जाएं तो वहां पूजा में भगवान को व्हिस्की चढ़ाई जाती है। वहीं, आप उत्तर प्रदेश में किसी को प्रसाद में व्हिस्की दे दो तो उसकी भावना आहत हो सकती है। मेरे लिए देवी काली एक मांस खाने वाली और शराब पीने वाली देवी के रूप में है। देवी काली के कई रूप हैं।' तृणमूल ने की निंदा, कहा- निजी विचार मोइत्रा के बयान पर तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि ये उनके निजी विचार हैं। पार्टी इनका समर्थन नहीं करती और वह इस तरह की टिप्पणियों की कड़ी निंदा करती है। हालांकि टीएमसी द्वारा नाराजगी जताने के बाद महुआ मोइत्रा ने भी ट्वीट कर सफाई दी थी। उन्होंने मंगलवार को इस विवाद के बाद कहा, 'आप सभी संघियों का झूठ आपको बेहतर हिंदू साबित नहीं कर सकता।

पत्रकार रोहित रंजन की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार कल नोएडा पुलिस ने किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली । रोहित रंजन के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में बताया, नोएडा पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। अब छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फर्जी वीडियो मामले में घिरे पत्रकार रोहित रंजन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। रोहित को मंगलवार को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हालांकि, उन्हें शाम को जमानत पर रिहा कर दिया गया था। रोहित रंजन के वकील सिद्धार्थ लूथरा ने बताया, जमानत मिलने के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस उन्हें गिरफ्तार करना चाहती है। इस मामले में उन्होंने तुरंत सुनवाई की मांग की थी। दोनों राज्यों की पुलिस के बीच हुई थी नोकझोंक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बयान को गलत तरीके से पेश करने के मामले में पत्रकार रोहित रंजन के खिलाफ कई राज्यों में एफआईआर दर्ज कराई गई थीं। इसमें एक एफआईआर छत्तीसगढ़ में भी दर्ज थी। इसी मामले में मंगलवार को रोहित को गिरफ्तार करने वहां की पुलिस पहुंची थी। इसकी सूचना मिलते ही गाजियाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। छत्तीसगढ़ पुलिस ने रोहित को कार में बिठा लिया और चलने ही वाली थी कि इंदिरापुरम थाने की पुलिस पहुंच गई।गाजियाबाद पुलिस ने छत्तीसगढ़ के पुलिसकर्मियों से सवाल किया कि आप लोग कौन हैं? यहां क्यों आए हैं? जवाब मिला, हमारे पास वारंट है और रोहित को गिरफ्तार करने आए हैं। हम छत्तीसगढ़ पुलिस से हैं। गाजियाबाद पुलिस ने एक और सवाल दागा, पुलिसवाले हो तो वर्दी में क्यों नहीं हो और थाने में आमद दर्ज क्यों नहीं कराई जवाब मिला, आमद दर्ज कराना जरूरी नहीं। फिर भी अब सूचना दे रहे हैं।नोएडा पुलिस की एंट्री रोहित को पहले छत्तीसगढ़ थाना पुलिस ने कार में बिठा लिया। इसके बाद नोएडा पुलिस पहुंची तो उसने अपनी कार में बिठा लिया। छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस पर एतराज जताया और रोहित को जबरन कार में बिठाने की कोशिश की। इस पर दोनों में खींचतान हुई। रोहित के समर्थन में लोग भी पहुंच गए। उन्होंने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्रवाई का विरोध किया। इसी दौरान नोएडा पुलिस रोहित को लेकर चली गई।

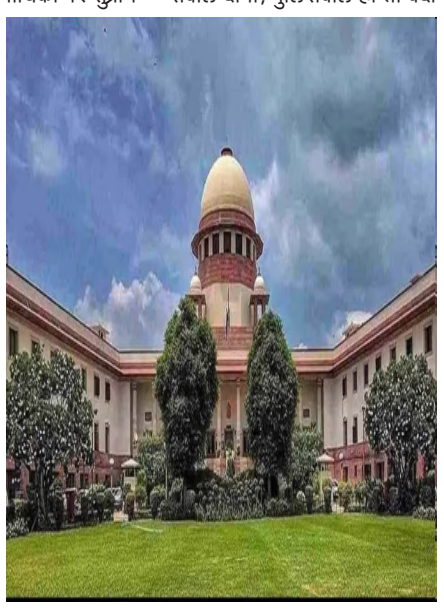

कानपुर की कलम कहे जाने वाले शैलेंद्र कुमार शर्मा ने दोहा, छंद, कुंडलिया,गीत छेड़े.

(आधुनिक समाचार सेवा)
कानपुर। कानपुर की कलम कहे जाने वाले शैलेंद्र कुमार शर्मा ने दोहा, छंद, कुंडलिया,गीत, नवगीत,मुक्तक एवं गजल में विधा

हासिल की है।शैलेंद्र कुमार शर्मा बिंदकी फतेहपुर में जन्मे है। शैलेंद्र शर्मा भारतीय रिजर्व बैंक से सेवानिवृत के पश्चात लेखन कार्य में सक्रिय हुए। इनकी प्रमुख पुस्तकों में कुछ पुस्तके मार्केट में धूम मचा रही है जैसे ठसननटे ढोते गलियारेठ,ठराम जियावन बांच रहे हैठ,ठऊसर में टेसू खड़ेठ एवं ठघुटने घुटने पानी मेंठ।शैलेंद्र कुमार शर्मा की रचनाएं देश के विभिनन्न पत्र पत्रिकाओं में लगभग दो दर्जन से ज्यादा पत्रों में संकलित हो रही है। उनकी कुछ कविताएं कुछ इस प्रकार है। प्रस्तुत है,आज से लगभग 35 वर्ष पूर्व लिखा एक नवगीत **नये नये नित दॉव खेलते** गिद्धों से बलशाली गिरगिट नये जमाने के तोड़े सारे कीर्तिमान इतिहास रचाने के डाल-डाल से पात-पात पर चलने में माहिर बिना 'ट्रम्प' के बाजी जीतें ये ऐसे 'नादिर' नये नये नित दॉव खेलते पैर जमाने वे बहुत तेज रफ्तारें इनकी रंग बदलने की धमकी देते सूरज को भी ढंग बदलने की सिखा रहे है गुर 'सुरसा' को मुँह फैलाने वे जिनके रंग शोख हैं ज्यादा शिखरों पर बैठे असंतुष्ट कुछ लिए वितृष्णा रस्सी से ऐंठ पंछी झेलें दिन, लोहे के- चने चबाने के अच्छे-भले परिंदों क परकटी उड़ाने हैं तोता-मैना चुप सुनते कौवों के ताने है हवा हो गये दिन कोयल के गीत सुनाने वे एक गीत जिसने आज के बाजार को हिला कर रख दिया था। कमतर हुए गुलाब सौ रुपये में गुडिया मिलती 'टेड़ीबियर' हज़ार का कसने लगा गले में फंदा 'विश्वग्रगाम-व्यापार' का आलू भरे पराठेभूले जीरा डाला छाछ 'पीजा-बर्गर' अच्छे लगते 'कोल्डड्रिंक' के साथ 'स्लाइस-माज़ा' मन को भाये आम लगे बेकार का चटनी और मुरब्बे फीके 'सॉस-जैम' की धूम लम्बा पेग चढ़ाकर डॉली रही नशे में झूम पानी-पानी जिसके आगे झों।

फौजी की बेटी को मिले रसायन विज्ञान में 98प्रतिशत अंक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। नेवादा गाँव के कारगिल युद्ध के दौरान हुए सेवानिवृत्त फौजी संजय कुमार सिंह की बेटी तनु

सिंह ने रसायन विज्ञान में 98ज्ञ् अंक लाकर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। साकेत ग्रुप ऑफ कॉलेज की यह इंटरमीडिएट की यह छात्रा अपनी प्रतिभा से अच्छे परिणाम लाते हुए रसायन विज्ञान में 98ज्ञ् अंक प्राप्त किया जिसके लिए कॉलेज ने उसे एक समारोह में सम्मानित किया।उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए क्षेत्र के शिक्षक बालमुकुंद विश्वकर्मा,शेर बहादुर सिं, विजयपाल सिंह, प्रदीप मिश्रा आदि ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उसे बधाई दिया है। भविष्य में कुछ करने का संकल्प लिए तनु सिंह अपने माँ-बाप का नाम रोशन करना चाहती है।

जनपद में वृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न

मा0 उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, मा0 जनप्रतिनिधिगणों एवं अधिकारियों ने मुख्य कार्यक्रम स्थल कनिहार झूंसी में किया वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । जनपद में मंगलवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वृक्षारोपण का मुख्य कार्यक्रम कनिहार, झूंसी में मा0 उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक व अन्य मा0 जनप्रनिधिगणों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मा0 उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक, मा0 सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल, महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी, मा0 विधायक फूलपुर श्री प्रवीण पटेल, मा0 विधायक शहर उत्तरी श्री हर्ष वर्धन वाजपेई, मा0 विधायक फाफामऊ श्री गुरू प्रसाद मौर्या, भाजपा के गंगापार अध्यक्ष श्री अश्वनी दुबे, जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम के लिए नामित नोडल अधिकारी प्रबंध निदेशक उ0प्र0 जल निगम/सचिव नगर विकास श्री अनिल कुमार, आईजी श्री राकेश सिंह, जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश पाण्डेय सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगणों एवं अधिकारियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया आयोजित कार्यक्रम में लोगो को सम्बोधित करते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश इस बार एक इतिहास रचने जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस बार कुल 35 करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि वृक्षारोपण एवं वृक्षों के संरक्षण के लिए जन-जन की भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनपद प्रयागराज के लिए जो भी लक्ष्य मिला है, उसको सभी लोग मिलकर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण कम से कम एक वृक्ष को गोद के रूप में अवश्य ले तथा उस वृक्ष की संतान की भांति देखभाल करें। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण में उत्तर प्रदेश गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करा चुका है। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण को संतुलित बनाये रखते है तथा पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में मदद करते है। इस अवसर पर मा0 उपमुख्यमंत्री जी के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के लिए खिलौने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रदान

किए गए। मा0 सांसद फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह बहुत ही सुखद क्षण है। उन्होंने मा0 उपमुख्यमंत्री जी से कहा कि इस क्षेत्र को एक पार्क के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत अनेक कार्यक्रम किए जा रहे है, जिसमें वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण करना एक बहुत ही पुण्य का कार्य है। पर्यावरण के संतुलन को बनाये रखने में वृक्षो का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी ने अपने सम्बोधन में लोगो से कहा कि सभी लोग अपने सबसे प्रिय के नाम से एक वृक्ष अवश्य लगाये। कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है। इस अवसर पर मा0 विधायक फूलपुर श्री प्रवीण पटेल ने कनिहार वृक्षारोपण क्षेत्र को पार्क के रूप में विकसित किए जाने के लिए मा0 उपमुख्यमंत्री जी से अनुरोध किया। इसके पूर्व जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री जनपद में किए जाने वाले वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस वृक्षारोपण अभियान कार्यक्रम में इस बार जनपद में वृक्षारोपण का कुल लक्ष्य लगभग 70,96,088 निर्धारित किया गया है, जिसमें आज दिनांक 05 जुलाई को लगभग 50,68,608 पौधों को रोपे जाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम स्थल कनिहार में आज 1 हजार पौधों का रोपण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 250 शहीदों के नाम से वाटिका बनायी जा रही है। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा लोगो को वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए पोस्टर प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अरविंद सिंह चैहान, नगर आयुक्त श्री चंद्र मोहन गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी श्री शिपू गिरि, प्रभागीय वनाधिकारी श्री रमेश चन्द्र सहित अन्य अधिकारीगणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रंजना त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री आवास नगर पंचायत रानीगंज हेतु आवेदन 12 जुलाई तक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/परियोजना निदेशक डूडा त्रिभुवन विश्वकर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना सबके लिये आवास शहरी के अन्तर्गत लाभार्थी व्यक्तिगत आवास निर्माण के अन्तर्गत नगर पंचायत रानीगंज की स्वीकृत डीपीआर में जो लाभार्थी अपात्र पाये गये है उन लाभाथिर्यों की सूची दिनांक 12 जुलाई तक सम्बन्धित नगर पंचायत में चस्पा/उपलब्ध रहेगी। निर्धारित तिथि के उपरान्त कोई भी आपत्ति नही ली जायेगी। अगर किसी भी लाभार्थी को अपात्रता में कोई आपत्ति है तो अपना प्रतिवेदन सम्बन्धित नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी के पास जमा कर सकता है।

सरसीखाम के लेखपाल को किया गया निलम्बित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। तहसील पट्टी अन्तर्गत सरसीखाम क्षेत्र के लेखपाल राजेश कुमार सरोज के विरूद्ध सोशल मीडिया में रूपये लेने का वीडियो वायरल हुआ जिसमें लेखपाल द्वारा किसी व्यक्ति से कुछ रूपया लेकर जेब में रखा जा रहा है। सोशल मीडिया में चल रही खबर को जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने त्वरित संज्ञान लेते हुये उपजिलाधिकारी पट्टी को जांच करने हेतु निर्देशित किया गया। उपजिलाधिकारी पट्टी द्वारा जांच के दौरान लेखपाल द्वारा रूपये लेने का वीडियो सही पाया गया जिसके कारण सरसीखाम के लेखपाल राजेश कुमार सरोज को उपजिलाधिकारी पट्टी द्वारा तात्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना का आवेदन 15 जुलाई तक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण ने बताया है कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत विभिनन्न परियोजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु लाभार्थी विभागीय पोर्टल पर आनलाइन आवेदन 15 जुलाई तक कर सकते है। आवेदनकर्ता विभागीय पोर्टल पर अपना स्वयं अथवा जनसूचना केन्द्र के माध्यम से आवेदन भरने के साथ-साथ आवश्यक अभिलेख, फोटो, हस्ताक्षर, आधार की प्रति, बैंक पासबुक की प्रति, सम्बन्धित भूमि की खतौनी, जाति प्रमाण पत्र के साथ 100 रूपये के स्टाम्प पर निर्धारित शपथ पत्र के साथ निर्धारित अन्य अभिलेख मत्स्य समृद्धि फार्म भर कर अपलोड करना अनिवार्य होगा। लाभार्थी का चयन प्रथम आवक प्रथम पावक के सिद्धान्त पर किया जायेगा व सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये बजट की सीमा तक लाभाथिर्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की जायेगी। सामान्य वर्ग को निर्धारित परियोजना लागत का 40 प्रतिशत व महिला/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों को 60 प्रतिशत अनुदान योजना में देय है। योजना से सम्बन्धित आनलाइन आवेदन एवं गाइडलाइन विभागीय पोर्टल प्ूः//ब्सि.ल्र्ेन्ुदन.ग्ह पर देख सकते है। योजना से सम्बन्धित किसी भी जानकारी हेतु मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण कमरा नम्बर-5 विकास भवन में किसी भी कार्य दिवस पर सम्पर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

शादीशुदा बेटियों को भी मायके में मिले खेतिहर भूमि

प्रयागराज । शादीशुदा बेटियों को इस श्रेणी से बाहर करते हुए वरीयता क्रम में बहुत नीचे रखा गया है। उत्तराधिकारियों की अनुपस्थिति में शादीशुदा बेटियों को विरासत का हिस्सा माना जाता है। याचियों ने राजस्व संहिता की इन धाराओं को रद्द कर शादीशुदा बेटियों को भी उनके माता-पिता की कृषि भूमि में हिस्सा देने की मांग की है।

डिप्टी सीएम बोले- डॉ. दीपेंद्र की पत्नी आभा सिंह को प्रयागराज में ही मिलेगी स्थायी नौकरी

प्रयागराज । अमर उजाला में इस खबर के प्रमुखता से प्रकाशित होने बाद न सिर्फ सरकार ने तबादले में हुई इस गड़बड़ी की जांच का आदेश दिया, बल्कि मंगलवार की दोपहर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अल्लापुर स्थित दिवंगत चिकित्सक दीपेंद्र के परिजनों के आंसू पोछने उनके घर पहुंचे तेरहवीं के बाद तबादला पाने वाले सर्जन डॉ. दीपेंद्र सिंह की पतनी डॉ. आभा सिंह को प्रयागराज में ही स्थायी नौकरी मिलेगी। दिवंगत चिकित्सक की पतनी और बच्चों से मिलने मंगलवार को उनके घर पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यह घोषणा की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और चिकित्सक के पुत्र को अपने पास बुलाकर दुलारा। डिप्टी सीएम ने पतनी और भाई से कहा कि सरकार इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है। मौत के बाद किए गए तबादले की जांच कराई जा रही है। इसके लिए जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

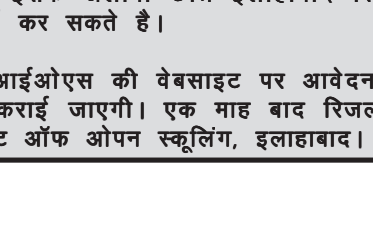

लिवर संक्रमण के इलाज के लिए पांच साल से तबादला मांग रहे डॉ. दीपेंद्र की तेरहवीं के बाद हुए तबादले पर किरकिरी से बचने के लिए सरकार अब जख्मों पर मरहम लगाने में जुट गई है। अमर उजाला में इस खबर के प्रमुखता से प्रकाशित होने बाद न सिर्फ सरकार ने तबादले में हुई इस गड़बड़ी की जांच का आदेश दिया, बल्कि मंगलवार की दोपहर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अल्लापुर स्थित दिवंगत चिकित्सक दीपेंद्र के परिजनों के आंसू पोछने उनके घर पहुंचे। वहां उन्होंने पतनी डॉ. आभा सिंह और भाई हेमेंद्र सिंह से मिलकर तेरहवीं के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी हुए डॉ. दीपेंद्र के तबादला आदेश की जांच शुरू कराने की जानकारी दी। डिप्टी सीएम ने परिजनों को ढांढस बंधाया। डॉ दीपेंद्र के पुत्र को अपने पास बुलाकर बैठाया और उसे भी सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने संकट की घड़ी में दीपेंद्र के परिजनों के साथ खड़ा रहने का भरोसा दिलाया। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि डॉ. दीपेंद्र की पतनी को सरकार कब तक नौकरी देगी डिप्टी सीएम का कहना था कि जल्द ही प्रयागराज में ही उनको सरकार पक्की नौकरी देगी। इस मौके पर डीएम संजय खत्री, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. नानक सरन, डॉ. शार्दूल सिंह, डॉ. अशोक अग्रवाल, इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. सुजीत सिंह, एएमए के उपाध्यक्ष डॉ. राजेश मौर्या, एएमए के सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता, डॉ. युगांतर पांडेय, एसआरएन में कोरोना के नोडल अफसर डॉ. उत्सव सिंह, आई सर्जन डॉ. अतुल दुबे समेत कई चिकित्सक और अधिकारी मौजूद थे।

किसी भी बोर्ड परीक्षा में फेल होने पर नहीं बर्बाद होगा साल

शिक्षा मंत्रालय के नेशनल इंस्टट्यूंट ऑफ ओपन स्कूलिंग ने दी राहत

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, सितंबर–अक्टूबर में होंगी परीक्षाएँ

आगर आप किसी भी बोर्ड में 10वीं की परीक्षा में फेल हो गए हैं, तो आपका साल बर्बाद नहीं होगा । आप इसी साल फिर से परीक्षा देकर उसं पास करे सकते हैं । यह मौका शिक्षा मंत्रालय की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग (एनआईओएस) की तरफ से दिया जा रहा है।

एनआईओएस ने इसके लिए आफनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। किसी भी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में फेल स्टूडेंट एनआईओएस के स्ट्रीम–2 की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। खाय बात यह है कि पिछले बोर्ड परीक्षा के जिन दो विषयों में स्टूडेंट ने अच्छे अंक पाए है, उसकी दोबारा परीक्षा देना अनिवार्य नहीं है। छात्रों की फिर से परीक्षा दे सकता है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। इच्छुक छात्र एनआईओएस की वेबसाइट www.sdmis.nios.ac.in पर लॉग कर आवेदन कर सकते हैं।

छात्र एनआईओएस में एडमिशन व परीक्षा से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए टोल–फ्री नंबर 1800–180–9393 पर फोन कर सकते हैं। इसके अलावा छात्र इलाहाबाद स्थित क्षेत्रीय केन्द्र पर 0532–2548154 अथवा 8756994336 पर भी संपर्क कर सकते है।

छात्र 31 जुलाई तक एनआईओएस की वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं। छात्रों की परीक्षा इसी साल सितंबर–अक्टूबर माह में कराई जाएगी। एक माह बाद रिजल्ट भी आ जाएगा।–श्री रविन्दर कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग, इलाहाबाद।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटें पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

प्रत्येक व्यक्ति को डाक्टर की आवश्यकता जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अवश्य पड़ती है-रामाश्रय पाण्डेय डीआरएम

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी) । मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय की अध्यक्षता में मंडल कार्यालय के प्रेम चन्द सभागार कक्ष में आयोजित एक सादे समारोह में मंडल

चिकित्सालय वाराणसी से सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा0 महेंद्र सिंह नबियाल को भावभीनी विदाई दी गई।प्रत्येक व्यक्ति को डाक्टर की आवश्यकता जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अवश्य पड़ती है। उक्त बाते मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने कहा। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक(प्रशासन) श्री राहुल श्रीवास्तव, अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) ज्ञानेशर त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री एस पी एस यादव,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री रकेश रंजन,वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री संजीव शर्मा, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती प्रीती वर्मा, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ऐं) श्री सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री समीर पॉल, वरिष्ठ मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री त्रयम्बक तिवारी, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(कर्षण) श्री पंकज केशरवानी,कुमार, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आपरेशन) श्री ए के श्रीवास्तव, मंडल कार्मिक अधिकारी श्री विवेक मिश्रा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री रामश्रय पाण्डेय ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डा0 नबियाल की लम्बी और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया । उन्होने कहा 62 वर्ष पूरे करने के उपरांत डा0 नबियाल की सेवानिवृत्ति मिली है , यह अपने आप में सराहनीय है। उन्होंने बताया की किस प्रकार डा0नबियाल ने कोरोना काल में मंडल चिकित्सालय के माध्यम से सेवा दी साथ ही मंडल चिकित्सालय में कुशल प्रबंधन कर आक्सीजन प्लान्ट एवं 5ए प्रमाणन जैसी उपलब्धियां भी दिलाई हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा की प्रत्येक व्यक्ति को डाक्टर की आवश्यकता जीवन के किसी न किसी मोड़ पर अवश्य पड़ती है। इसी कारण समाज के हर वर्ग के लिए वे सम्माननीय है। जितना यश डाक्टर के प्रोफेशन में है उतना यश अन्य किसी प्रोफेशन में बहुत मुश्किल से मिलता है । अग्रिम जीवन हेतु शुभकामनाएं देते हुए मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय ने डा नबियाल से अपील की अपना शेष जीवन समाज सेवा लगायें ।इस अवसर पर अन्य अधिकारियों ने भी डा0 नबियाल के कुशलता पूर्वक सेवानिवृत्त होने पर शुभकामनाएं दी और शेष जीवन सुख शांति से व्यतीत होने की कामना करते हु भावभीनी विदाई दी।अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी ने बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया पांच दिवसीय आजादी का अमृत महोत्सव

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया (वाराणसी) ।आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा वाराणसी मंडल

के विभिन्न स्टेशनों पांच दिवसीय 1 जुलाई से 05 जु इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा अभिषेक के नेतृत्व में आज मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी मण्डल रिज़र्व के 14 स्टाफ द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वाराणसी कैंट स्थित रेलवे सुरक्षा बल बैरक परिसर के बाउंड्री वाल के बाहर व रेलवे कॉलोनी में पर्यावरण की शुद्धता एवं संरक्षण हेतु वृह्द वृक्षारोपण किया गया आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आज मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल टीम की मोटर साइकिल रैली व सुसज्जित वीडियो वाहन रेलवे स्टेशन परिसर आजमगढ़ पहुंचे जिनका प्रभारी निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट आजमगढ़ द्वारा भव्य स्वागत किया गया तथा यात्रियों व जनमानस इस दौरान रेलवे स्टेशनआज़मगढ़ पर पूर्वोत्तर रेलवे के मण्डल से आये रेलवे सुरक्षा बल जवानों की मोटर साइकिल रैली एवं सुसज्जित वीडियो वाहन एलईडी स्क्रीन के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल की उपलब्धियों व आजादी के महत्व को प्रदर्शित किया किया। इस मोटर साइकिल रैला वीडियो से स्इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक मऊ साथ रेलवे सुरक्षा बल मऊ की टीम द्वारा आज 5/07/2022 को मऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया एवं नगर क्षेत्र में रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मऊ द्वारा एकता दौड़ का आयोजन किया कर रेल यात्रियों एवं आम नागरिकों में देश प्रेम को जागृत किया। इस दौरान रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आम जनता को आजादी का महत्व समझाते हुए स्वतंत्रता संग इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा आज दिनांक 5 जुलाई,2022 को रेसुब बैन्ड एल ई डी विडियों वाहन तथा मोटर साईकिल रैली प्रयागराज रामबाग, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह एवं राजातालाब स्टेशनों पर आयोजित की गई । इस मोटर साइकिल रैली में पाँच बुलेट मोटर साईकिल साथ सह सवार के साथ , साज-सज्जा युक्त ध्वं वीडियो वाहन जिसमें आजादी की अम ज्ञातव्य हो की आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाराणसी मंडल पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डा अभिषेक के नेतृत्व में कुशलता पूर्वक सम्पन्न किया गया। इस विज्ञप्ति की जानकारी पूवीत्तर रेलवे वाराणसी के मंडल रेल प्रबंधक के जनसम्पर्क अधिकारी अशोक कुमार ने दी।

प्रेमी के घर जाकर छात्रा ने की सुसाइड की कोशिश बोली- शादी करवाओ नहीं तो दे दूंगी जान...............

गोरखपुर। पिपराइच इलाके की एक 15 वर्षीय छात्रा 9वीं में पढ़ती है। एक साल से वह पड़ोस के रहने वाले युवक से प्यार करती है। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे। लेकिन प्रेमी के घरवालों ने शादी करने से इनकार कर दिया। वे इस शादी के खिलाफ हैं। गोरखपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने

आया है। यहां एक नाबालिग छात्रा चुपके से मंगलवार की रात अपने प्रेमी के घर में घुस गई। उसने प्रेमी के माता-पिता से कहा कि बेटे से शादी करवाओ नहीं तो उन्हीं के घर में जान दे दूंगी। इसके बाद प्रेमी के घरवालों के मना करने पर छात्रा कमरे में चली गई और अंदर से दरवाजा बंद कर फंदा लगाकर जान देने की धमकी देने लगी। यह देख प्रेमी के माता-पिता परेशान हो गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पिपराइच पुलिस ने दरवाजा तोड़कर किसी तरह छात्रा को कमरे से बाहर लाई और अपने साथ थाने ले गई। बताया जा रहा है कि पिपराइच इलाके की एक 15 वर्षीय छात्रा 9वीं में पढ़ती है। एक साल से वह पड़ोस के रहने वाले युवक से प्यार करती है। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे। लेकिन प्रेमी के घरवालों ने शादी करने से इनकार कर दिया। वे इस शादी के खिलाफ हैं। वहीं छात्रा के घरवाले भी प्रेमी से शादी के खिलाफ हैं। दोनों के प्यार पर लगाम लगाने के लिए परिवारों ने पहरा बैठा दिया। प्रेमी को उसके घरवालों ने बाहर कमाने भेज दिया। जिसके बाद छात्रा उससे मिल नहीं पा रही थी। दरोगा एके सिंह महिला पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और कमरे के बाहर से छात्रा को समझाया। उसके न मानने पर दरवाजा तोड़कर उसे थाने ले गई और फिर वहां काउंसलिंग कराई। उसे बताया कि अभी नाबालिग होने के नाते शादी नहीं हो सकती है। आश्वासन दिया गया कि बालिग हो जाओगी तो कानूनी रूप से युवक से वह शादी कर सकती है। जिसके बाद छात्रा को उसके माता पिता के साथ पुलिस ने भेज दिया।

पीएचसी हरहुआ के प्रांगण में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया पौधरोपण..............

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (हरहुआ)। विकाश खण्ड के हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आज सोमवार को स्वास्थ्य कर्मियों व स्थानीय समाजसेवियों ने पौधरोपण किया। पीएचसी प्रभारी डॉ0 आर0 के0 सिंह ने कहा कि अस्पताल परिसर को हरा -भरा तथा वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के दिशा में कार्यरत सहकर्मियों स्थानीय समाजसेवी जनों ने मिलकर फलदार व छायादार पौधों का पौधरोपण किया। प्रमुख रूप से प्रधान अनवर उर्फ अन्नू ,डॉ0 ओम प्रकाश, डॉ0 मनु चतुर्वेदी फार्मासिस्ट राजकुमार ,बीपीएम बसंत लाल श्रीवास्तव पंकज सिंह व कई एएनएम शामिल रहे। आगामी दिनों में हरित पार्क को नये प्रजाति के पौधो से सुसज्जित किया जाएगा।

35 करोड़ वृक्षारोपण जन आंदोलन के दौरान श्री जयवीर सिंह के द्वारा हरहुआ डीह गांव में तीन हजार पौधे लगाए गए

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (हरहुआ)। विकास खंड के हरहुआ डीह गांव के स्थल पर आज मंगलवार को श्री जयवीर सिंह

मां पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रभारी मंत्री ने आजादी के अमृत महाउत्सव के अवसर पर जल खाता रकबा 2 हेक्टेयर में पौधरोपण कुल तीन हजार पौधे लगाए गए। सामाजिक वानिकी वन विभाग का टीम उपस्थित रहा। संयुक्त रूप से तीन हजार के लगभग पौधे लगाएं गये जिसमें बरगद व जामुन इत्यादि फलदार वृक्ष लगाए गए । श्री जयवीर सिंह ने पूजा पाठ के दौरान उन्होंने बरगद का पेड़ अपने हाथों से लगाए। उन्होंने कहा कि फलदार व छायादार पौधे से ही शुद्ध वातावरण मिलेगा। इसलिए हर व्यक्ति को कम से कम एक या दो पौधे लगाने का कार्य करें तभी हमारा वातावरण शुद्ध होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि- जयवीर सिंह (पर्यटन एवम संस्कृति मंत्री उ0प्र0 सरकार ,प्रभारी मंत्री वाराणसी रहे। सुनील ओझा, टी राम विधायक अजगरा, हंसराज विश्वकर्मा जिलाध्यक्ष, सुमित (जिला प0अध्यक्ष फिरोजाबाद, विनोद कुमार उपाध्याय उर्फ बब्बू ब्लाक प्रमुख हरहुआ, डीएम कौशलराज शर्मा, अभिषेक गोयल सीडीओ, सुनील दुबे अपर प्रधान मुक्ति वन संरक्षक, एम0 देवराज (अध्यक्ष उ0प्र0 शासन नोडल अधिकारी) प्रमोद गुप्ता (मुख्य वन संरक्षक वाराणसी मण्डल) , महावीर कॉजलगी डीएफओ, एसडीएम पिंडरा पुष्पेंद्र पटेल, डीपीआरओ राघवेंद्र द्विवेदी ,डीसी मनरेगा करुणाकर अदीब ,बीडीओ बीडीओ धर्मेंद्र द्विवेदी, खण्ड शिक्षा अधिकारी अमित दूबे, ग्राम प्रधान हरहुआ अनवर उर्फ अन्नू , प्रधान लालमन यादव, जेई सूर्यनाथ यादव,भाजपा कार्यकर्ता रौनक जयसवाल, अजय कुमार मिश्र, अरुणोदय प्रताप सिंह, उदय राज सिंह, रविन्द्र यादव,भाजपा मंडल अध्यक्ष धनंजय सरोज , कैलाश सिंह अकेला, रामआसरे प्रदीप सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम स्थल पर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं ने माननीय मंत्री जी को पत्रक देकर नाले की साफ सफाई के लिए गुहार लगाई पर्यटन मंत्री ने तत्काल पत्र को लेकर कार्यवाही के लिए सीडीओ को आदेशित किए

गर्भावस्था में प्रोटीन का आहर ले डॉ सन्ध्या यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

वाराणसी (हरहुआ)। शरीर के विकास और स्वास्थ्य के लिए आहार के महत्व को किसी स्थिति में कम नहीं आंकना चाहिए ।

गर्भावस्था में पलने वाले बच्चे के शरीर का विकास पूरी तरह से मां के भोजन पर निर्भर करता है। बच्चे में रक्त और हड्डियों का बनना भी मां पर ही निर्भर करता है । गर्भावस्था के दौरान स्त्री के भोजन में कैल्शियम, प्रोटीन तथा विटामिन का समुचित मात्रा में होना बहुत ही आवश्यक होता है।कैल्शियम- दूध से बनी सभी वस्तुएं जैसे पनीर, दही, मक्खन,अंडे इत्यादि में कैल्शियम काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है। लौह - हरी तथा पत्तेदार सब्जियां, गुड़, अंकुरित मूंगदाल, भूना चना, अनार, सेव,चुकुंदर और सोयाबीन में लौह तत्व अधिक मात्रा में पाया जाता है । प्रोटीन- गर्भावस्था में बच्चे के शरीर की रचना के लिए प्रोटीन बहुत ही आवश्यक है। दाल, अंडे आदि में प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है । फोलिक एसिड -बच्चे के पैदा होने और शारीरिक विकास में बहुत ही आवश्यक होता है । फोलिक एसिड गहरे रंग वाली हरी सब्जियों, मक्का, मक्के का आटा, चावल , केला तथा ब्रॉकली में पूर्ण रूप से पाया जाता है । गर्भावस्था के दौरान भोजन में कुछ सावधानियां रखनी चाहिए ।भोजन में चीनी तथा नमक का प्रयोग कम करना चाहिए। शहद, खजूर, किसमिस, छुआरे तथा अंजीर का भोजन में उपयोग करना चाहिए। छिलका, समेत दालों का उपयोग लाभदायक है। तली भुनी चीजों का उपयोग नहीं करना चाहिए । मौसम अनुसार फलों का रस प्रतिदिन पीना गर्भवती स्त्री के लिए बहुत लाभदायक होता है । गर्भावस्था दौरान मल-मूत्र, छींक, प्यास, भूख, नींद, जम्हाई जैसे आवेगों को रोकने का प्रयास नहीं करना चाहिए। क्रोध न करे । रात्रि को देर से न सोए तथा सुबह जल्दी उठने की कोशिश करे। दोपहर को थोड़ा विश्राम करें लेकिन गहरी नींद न लें।

सिद्धार्थनगर में बेकाबू कार खाई में गिरी, दर्दनाक हादसे में तीन की मौत, एक जख्मी

गोरखपुर।यूपी के सिद्धार्थनगर जिले में मलंग बाबा स्थान के पास मंगलवार देर रात बेकाबू कार खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक शख्स घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिद्धार्थनगर जिले के बांसी कोतवाली इलाके के बांसी बस्ती मार्ग पर स्थित मलंग बाबा स्थान

के पास मंगलवार देर रात बेकाबू कार खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक जख्मी है। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया और शव को शिनाख्त करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बांसी-बस्ती मार्ग पर स्थित बांसी कोतवाली इलाके के मलंग बाबा स्थान के पास एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर खाई में गिर गई। हादसा देख मौके पर आसपास के लोग पहुंच गए। इसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकाला। इसमें तीन लोगों की मौत हो चुकी थी। जबकि, एक गंभीर रूप से घायल था। पहचान होने के साथ ही घायल को पुलिस ने इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार हो रहा है। शव का शिनाख्त होने के बाद पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में सीओ सदर प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि कार में 5 लोग सवार थे। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। जबकि एक घायल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है जबकि तीन शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सोनकर के रहने वाले विपिन राजभर, धर्मपाल, विशाल गुप्ता की हादसे में मौत हुई। अजीत यादव निवासी सोनकर घायल है।

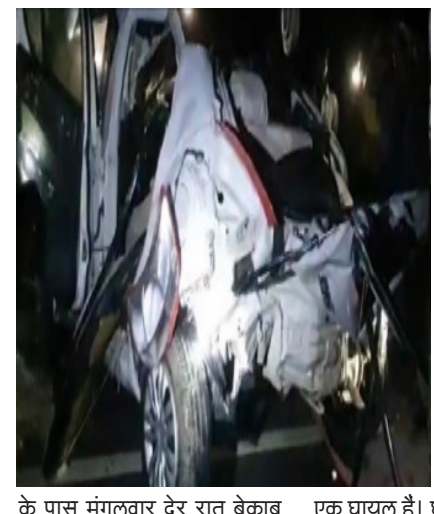

फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का अधिक से अधिक करें वृक्षारोपण-प्रमुख सचिव

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा एवं कौशल विकास मिशन उत्तर प्रदेश/नोडल अधिकारी सुभाष चन्द्र शर्मा ने दिनांक 05 जुलाई को जनपद में होने वाले वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत चिलबिला स्थित पालीटेकिन्क कालेज का निरीक्षण किया। पालीटेकिन्क कालेज के परिसर का निरीक्षण करते हुये प्रमुख सचिव ने सघन वृक्षारोपण करायें जाने का प्राचार्य को निर्देश दिया। वृक्षारोपण के पश्चात् वृक्षों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ट्रीगार्ड लगाने का निर्देश दिया। परिसर का निरीक्षण करते हुये परिसर में गन्दगी एवं बेतरतीब उगी हुई घासों पर नाराजगी जाहिर की और प्राचार्य को निर्देशित किया कि परिसर में साफ-सफाई करायी जाये तथा स्वस्थ वातावरण बनाया जाये। पालीटेकिन्क कालेज में चल रही परीक्षाओं का प्रमुख सचिव द्वारा जायजा लिया गया।प्रमुख सचिव ने राजकीय आई0टी0आई0 परिसर का निरीक्षण किया, परिसर के कार्यालय में लगे हुये सोलर पैनल के कार्यशील न होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि सोलर पैनल के सम्बन्ध में निदेशालय को आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र भेजने का निर्देश दिया। उन्होने टर्नर, फिटर, मशीनीस्टि एवं बिल्डर के ट्रेडों की कार्यशाला का निरीक्षण किया, कार्यशाला में छात्र प्रायोगिक कार्य कर रहे थे। प्रमुख सचिव ने वहां उपलब्ध मशीनों के संचालन के सम्बन्ध में अनुदेशक एवं छात्रों से जानकारी ली। निरीक्षण के समय ओम प्रकाश शुक्ला अनुदेशक ने मशीनों के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी दी। प्रमुख सचिव ने कम्प्यूटर ट्रेनिंग हेतु नवनिर्मित कार्यशाला का निरीक्षण किया तथा प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि सभी बच्चों को भले ही वे किसी भी ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है उन्हें कम्प्यूटर की बेसिक जानकारी अवश्य उपलब्ध करायी जाये। उन्होंने कैरियर काउन्सिल एवं प्लेसमेन्ट सेल का कार्य देख रही उर्मिला से प्लेसमेन्ट के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की, उनके द्वारा बताया गया कि रोजगार मेले के माध्यम से छात्रों का प्लेसमेन्ट कराया जा रहा है। प्रमुख सचिव ने परिसर में वृक्षारोपण स्थल का जायजा लिया और प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि परिसर के मुख्य द्वार की तरफ सघन वृक्षारोपण कराया जाये ताकि शैक्षिक परिवेश एवं पर्यावरण बेहतर रहे। वृक्षारोपण के साथ ही वृक्षों की सुरक्षा हेतु व्यक्तिगत उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाये ताकि पेड़ों की जीवन्तता सुनिश्चित हो सके। प्रमुख सचिव ने गजेहड़ा स्थित वन विभाग के नर्सरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय वरूण सिंह प्रभागीय सामाजिक वानिकी द्वारा अवगत कराया गया कि इस नर्सरी में 317264 पौध तैयार किये गये है, मौके पर कई गाड़ियों से सम्बन्धित ग्राम प्रधान द्वारा वृक्षों का उठान किया जा रहा था। प्रमुख सचिव ने सभी से अनुरोध करते हुये कहा कि वृक्षारोपण के उपरान्त उनकी सुरक्षा हेतु ट्रीगार्ड लगाया जाये तथा कम से कम 03 वर्ष तक उनकी सुरक्षा एवं देखभाल की जानी चाहिये ताकि वृक्षों की जीवन्तता सुनिश्चित हो सके। उन्होने कहा कि दिनांक 05 जुलाई को होने वाले वृहद वृक्षारोपण अभियान में हर परिवार पौधरोपण अवश्य करें तथा फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। प्रभागीय निदेशक वरूण सिंह द्वारा बताया गया कि विकास खण्ड सण्ड़वा चन्द्रिका के ग्राम पंचायत उपाध्यायपुर में दिनांक 05 जुलाई को वन विभाग द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रमुख सचिव/नोडल अधिकारी द्वारा किया गया जायेगा।

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में हुई वृहद वृक्षारोपण अभियान की बैठक हुई,पर्यावरण संरक्षण पर बल

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत जनपद प्रतापगढ़ को आवंटित वृक्षारोपण लक्ष्य 4740552 के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के दृष्टिगत विकास भवन के सभागार में प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा एवं कौशल विकास मिशन उत्तर प्रदेश/नोडल अधिकारी सुभाष चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में जिला पर्यावरण समिति की बैठक की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वरूण सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारी प्रतिभाग किये।मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल लक्ष्य 4740552 के सापेक्ष 05 जुलाई को 3386176, 06 जुलाई को 338712 एवं 07 जुलाई को 338712 वृक्ष लगाया जायेगा। इसके अतिरिक्त आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 अगस्त 2022 को अवशेष लक्ष्य 676951 पौधों का रोपण कर लक्ष्य को पूर्ण कर लिया जाय। जनपद में वृक्षारोपण कार्यक्रम में जन प्रतिनिधियों, समस्त सरकारी/गैर सरकारी संस्थायें, एन0सी0सी0, नेहरू युवा केन्द्र, युवक मण्डल दल, किसान उत्पादक संगठन, रोटरी क्लब, लायन्स क्लब, व्यापार मण्डल, अन्य एन0जी0ओ0 का पूर्ण सहयोग लिया जा रहा है। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी द्वारा अवगत कराया गया कि वृक्षारोपण जन आन्दोलन 2022 में विशेष रूप से अमृत वन (1193), नगर वन (14), शक्ति वन (85), बाल वन (2), युवा वन (05), खाद्य वन (05) एवं 13 मियांवाकी वृक्षारोपण स्थल स्थापित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। वृक्षारोपण को जन-जन तक पहुँचाने के लिये जिलाधिकारी की ओर से समस्त ग्राम प्रधानों को ''कलेक्टर की पाती, प्रधान जी के नाम, हमारा गांव एक हरित गांव'' सम्बोधित पत्र प्रेषित किया गया है। बैठक में प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को जन आन्दोलन के रूप में लिया जाये तथा पर्यावरण संरक्षण व वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक किया जाये। प्रमुख सचिव ने शासन की मंशा के अनुरूप वृक्षारोपण के महत्व एवं स्वस्थ जीवन शैली में वृक्षों की उपयोगिता बताते हुये उपस्थित अधिकारियों को पूरे उत्साह एवं सामाजिक सहभागिता के साथ शत प्रतिशत वृक्षारोपण के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। हरितमा अमृत वन ऐप के माध्यम से सम्पूर्ण वृक्षारोपण का जियो टैगिंग किये जाने के सम्बन्ध में यह निर्देश दिये गये कि सभी कार्यदायी विभागों को जो यूजर आई0डी0 एवं पासवर्ड आवंटित है के माध्यम से जियो टैगिंग कराया जाये।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी पौधे लगाये जाये उनकी सुरक्षा भी की जाये।

डाला चौकी परिसर में किया गया पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय डाला पुलिस चौकी परिसर में पुलिस कमिऱ्यों ने किया पौधारोपण सोमवार को नवागत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन के अनुसार डाला चौकी इंचार्ज मनोज

कुमार ठाकुर के नेतृत्व में चौकी परिसर में किया गया वृक्षारोपण साथ ही वन संरक्षण के लिए शपथ ली। वहीं श्री ठाकुर एवं बुजुर्ग के साथ मिलकर पौधारोपण कराकर पर्यावरण में घुल रहे प्रदूषण की जानकारी दी वन भारतियों की संस्कृति रहा है। भारतीय संस्कृति को समृद्धशाली बनाने के लिए हमारा क?र्त्तव्य बन गया है कि किसी भी मंगल कार्यक्रम पर पौधारोपण किया जाना चाहिए। जीवन को खुशहाल व तंदरूस्त बनाने के लिए वर्तमान में सबसे जरूरी है कि वन संपदा को समृद्धशाली बनाया जाना चाहिए। वृक्षारोपण के दौरान कई प्रकार के पौधे लगाए गए इसमें मुख्यता नीम, आम,आंवला, इत्यादि रहे। नगर के संभ्रांत एवं बुद्धिजीवी वर्ग सहित अनेक लोगों ने भी पौधा रोपण किया। इस दौरान हनुमान सिंह, भैरों बाबा, अखिलेश पांडेय, डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर, पुनित सिंह, अशोक बिंद, दीपक, रविकांत, आलोक पांडेय, एवं आसपास के दर्जनों लोग एक पौधे लगाया।

क्षेत्राधिकारी ओबरा के नेतृत्व में थाना हाथीनाला के क्षेत्रों में किया कॉबिग

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

हाथीनाला (सोनभद्र)। हाथीनाला पुलिस व पीएसी बल द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम डाला पीपर व बहेरा डोल के दूरस्थ एवं जंगली इलाकों में सघन काम्बिंग की गयी जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम रखने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से सामन्जस्य स्थापित करने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से आज दिनांक 05.07.2022 को क्षेत्राधिकारी ओबरा शंकर प्रसाद के नेतृत्व में थाना हाथीनाला पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम डाला पीपर व बहेरा डोल के दूरस्थ तथा जंगली इलाकों में मय पीएसी बल सघन काम्बिंग की गयी । काम्बिंग के दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें

मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु प्रेरित किया गया ।

पृथ्वी को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

सोनभद्र । पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ के संदेश के साथ मंगलवार को जिले में सघन पौधरोपण अभियान की शुरुआत हुई। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र के निर्देशन में शुरू हुए अभियान के पहले दिन 26 विभागों, विभिनन्- संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने मिलकर पौधरोपण किया। पौधरोपण के माध्यम से वातावरण को हरा-भरा बनाने और प्रदूषण मिटाने का संकल्प लिया। इस दौरान लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइंस, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, कंडा कोट मंदिर सहित अन्य स्थानों पर पौधे लगाए। उनके साथ डीएम चंद्र विजय सिंह, एसपी यशवीर सिंह ने भी पौधरोपण किया। बिल्ली मारकुंडी ग्राम पंचायत में बाड़ी अंत्येष्टि स्थल पर मंडलायुक्त और राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने पौधे लगाए। मंडलायुक्त ने आह्वान किया कि प्रकृति को हरा-भरा बनाने में सभी सहयोग करें। जीजीआईसी परिसर में प्रधानाचार्य रंजना शुक्ला ने पौधरोपण किया। भाजपा महिला मोर्चा की पुष्पा सिंह, प्रमिला त्रिपाठी, गुड़िया, संगीता पाठक, प्रवक्ता रेखा, प्रवक्ता नेहा विश्वकर्मा, प्राची, वंदना गुप्ता, किरण पांडेय, छात्रा विनती तिवारी, किरण पांडेय, नंदिता मौर्या, रिया, इच्छा मोदनवाल आदि मौजूद रहीं। एआरटीओ कार्यालय परिसर में संभागीय निरीक्षक आलोक यादव के नेतृत्व में प्रधान सहायक अरविंद सिंह, विनोद श्रीवास्तव, रामकुंवर खरवार, वरिष्ठ सहायक गुड़वंती देवी, विनोद सोनकर, रामसेवक मौर्या, हरिओम

सिंह, अशोक पांडेय, राजीव सिंह, विजय पांडेय आदि ने पौधे लगाए। आपूर्ति विभाग की ओर से गैस एजेंसियों के सहयोग से लोढ़ी में क्षेत्रीय खादय अधिकारी रिपुसदन आर्य की देखरेख में पौधरोपण हुआ। सदर ब्लाक अंतर्गत रौप गांव में प्रधान प्रतिनिधि इंद्रजीत यादव के नेतृत्व में पौधरोपण हुआ। सलखन फासिल्स पार्क में गुरमा रेंजर सीपी तिवारी, वन दरोगा एसके दीक्षित, राम कैलाश आर्य, ऋषि पाल सिंह, अनिल कुमार, बजरंगी प्रसाद आदि ने पौधे रोपे। बीजपुर के प्रभारी निरीक्षक भैया एसपी सिंह के नेतृत्व में और जरहा वन रेंज के नेमना में वन कमिऱ्यों ने पौधरोपण किया गया। बभनी थाने में सैकड़ों फलदार-छायादार पौधे इंस्पेक्टर मनोज सिंह की देखरेख में रोपे गए। वन महोत्सव के तहत चोपन में ग्राम पंचायत के बाड़ी के अमृत सरोवर व अंत्येष्टि स्थल, पुलिस चौकी, कोटा ग्राम पंचायत, अल्ट्राटेक सीमेंट कंपनी समेत नगर के विभिनन् जगहों पर हजारों पौधे लगाए गए। ब्लाक प्रमुख लीला देवी ने बाड़ी में अमृत सरोवर पर पौधा रोपा। अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री की ओर से परासपानी सब स्टेशन के पास स्थित तालाब के किनारे पौधे लगाए गए। संत कीनाराम की स्मृति में हुआ पौधरोपण सघन पौधरोपण अभियान के तहत संत कीनाराम पीजी कॉलेज लोढ़ी में अघोरी संत कीनाराम बाबा की स्मृति में पौधा रोपण किया गया। प्राचार्य डॉ. गोपाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने संयुक्त रूप से पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत महाविद्यालय में 1300 पौधे लगाए जाएंगे। ग्राम बंजरिया में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मवीर तिवारी के नेतृत्व में किसान नेता शिव प्रकाश सिंह, एससी एसटी आयोग के सदस्य अमरेश चेरो ने पौधरोपण किया। साथ में अनूप पांडेय, योगेश सिंह उपस्थित रहे। पौधरोपण से ही बचेगा पर्यावरण सदर ब्लाक के बहुअरा कोल बस्ती में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा सप्ताह कार्यक्रम के अंतर्गत भाजपा अनुसूचित मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख अजीत रावत ने पौधरोपण किया। इस मौके पर उमेश सिंह, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बिजेंद्र सिंह, खंड विकास अधिकारी अश्विनी श्रीवास्तव, रमेश प्रसाद आदि मौजूद रहे।

महर्षि चरक वनांचल स्वास्थ्य सेवा यात्रा का समापन.....

सोनभद्र । महर्षि चरक वनांचन स्वास्थ्य सेवा यात्रा का मंगलवार को कलेक्ट्रेट में समापन हुआ। इस यात्रा के तहत 940 गांवों में 135 कैंप और एक मेगा कैंप के माध्यम से 75 हजार से अधिक लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवा दी गई। सोनभद्र के अलावा मिर्जापुर और चंदौली के सीमावर्ती इलाकों में भी कैंप लगाए गए। समापन अवसर पर डीएम चंद्र विजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा अपने मूर्त रूप में प्रभावित होकर उस पड़ाव पर पहुंची है जहां से इसका असली रूप प्रारंभ होगा। विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय सह सचिव केके द्विवेदी ने कहा कि गांवों में रहने वाली दो तिहाई आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा अच्छी नहीं है। उन्हें अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए शहरों की तरफ भागना पड़ता है या फिर झोलाछाप की शरण लेनी पड़ती है। सेवा समर्पण संस्थान के जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि एक अच्छा डॉक्टर हमेशा मरीज की भलाई के लिए उसी हद तक आशावादी होता है जितना कि स्वयं वह मरीज। सेवा समर्पण संस्थान के सह संगठन मंत्री आनंद ने कहा कि अच्छा डॉक्टर अपने मरीज की निजता का पूरा सम्मान करता है। यह डॉक्टर का कर्तव्य भी है और आपका अधिकार भी है कि डॉक्टर आपको उचित एकांत में ही देखे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सेवा समर्पण संस्थान के जिला सह मंत्री आलोक कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि कैंप में विश्व आयुर्वेद परिषद, एनएमओ, सेवा भारती, हार्ड फाउंडेशन ऑफ इंडिया, आरोग्य भारती समेत तमाम संगठनों ने इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ आशुतोष पाठक, डॉ विजय राय, डॉ. मनीष मिश्र, डॉ रमेश यादव, डॉ नेहा बिष्ट, डॉ. सीएस पांडेय, डॉ. नेहा चौधरी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. जीतू राम, डॉ. सुनीता राय, डॉ. शांतनु तिवारी, डॉ. मोनिका, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. अमित सिंह आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

शौचालय निर्माण में घोटाला, सेक्रेट्री निलंबित, सचिव पर होगी कार्रवाई

सोनभद्र । दुद्धी विकास खंड के ग्राम पंचायत धूमा में शौचालयों निर्माण कराने के नाम पर करीब 29 लाख रुपये की हेराफेरी सामने आई है। धन अवमुक्त होने के बाद भी शौचालयों का निर्माण नहीं कराया गया। शिकायत पर जांच में पुष्टि के बाद डीपीआरओ ने

सेक्रेट्री को निलंबित कर दिया है। महिला ग्राम सचिव के भी निलंबन की संस्तुति करते हुए डीडीओ को रिपोर्ट भेजी गई है। प्रधान और सचिव से धनराशि की रिकवरी भी कराई जाएगी। कुछ दिन पूर्व धूमा गांव निवासी प्यारे मोहन ने मंडलायुक्त को शिकायती पत्र देकर ग्राम पंचायत में शौचालय निर्माण में गड़बड़ी का आरोप लगाया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने डीपीआरओ को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया। डीपीआरओ विशाल सिंह ने अपर जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी (प्राविधिक) और जिला समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के साथ मौके पर जाकर जांच की तो काफी हद तक शिकायत सही मिली। ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत विकास अधिकारी ने शौचालय निर्माण के नाम पर बिना शौचालय बनवाए ही कोष से धनराशि निकालकर गबन करने की पुष्टि की। जांच में 230 शौचालय अपूर्ण या अनारंभ पाए गए। प्रति शौचालय 12 हजार रुपये की दर से 27.60 लाख और इसके अतिरिक्त 1.99 लाख रुपये की धनराशि आहरित कर ली गई है। जांच में 16 शौचालय निर्मित कराने की बात मौखिक रूप से बताई गई लेकिन उसका कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया। डीपीआरओ ने बताया कि शौचालय निर्माण के लिए 29.59 लाख रुपये ग्राम पंचायत कोष से आहरित कर ग्राम प्रधान राम प्रसाद, सचिव चांदनी गुप्ता और सेक्रेट्री उमेश चंद्र ने दुरुपयोग किया है। इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगे जाने पर उनका जवाब संतोषजनक नहीं था। तत्कालीन सेक्रेट्री उमेश चंद्र को निलंबित करते हुए अनुशासनिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। ग्राम सचिव रहीं चांदनी गुप्ता के निलंबन और अनुशासनिक कार्रवाई के लिए डीडीओ को पत्र भेजा गया है। कहा कि दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने, दुरुपयोग की गई धनराशि की वसूली करने की कार्रवाई की जा रही है।

रिपोर्ट कार्ड में किसानों, युवाओं और आमजन के लिए कुछ नहीं

सोनभद्र । ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने प्रदेश सरकार के सौ दिन के रिपोर्ट कार्ड को पूरी तरह छलावा करार दिया है। संगठन के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने कहा कि इसमें किसानों, युवाओं और आमजन के लिए कुछ भी नहीं है। किसानों को मुफ्त बिजली, युवाओं को रोजगार, सिंचाई, एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ करने जैसे प्रमुख चुनावी वादों पर रिपोर्ट कार्ड और भावी कार्यक्रम में एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी की दरों में अप्रत्याशित कमी का दावा भी सच्चाई से परे है। उत्तर प्रदेश में भी अन्य राज्यों और राष्ट्रीय स्तर जैसे ही बेकारी की भयावह स्थिति है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 3 में हुए 80 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश समझौते की वाहवाही की जा रही है, लेकिन पिछले कार्यकाल में दो बार इंवेस्टर्स मीट में इससे भी कहीं ज्यादा निवेश के समझौतों का हश्र देखा जा चुका है। सोनभद्र जैसे आकांक्षी जनपद के लिए भी कार्यक्रम का अभाव रिपोर्ट कार्ड में दिखा। बहुप्रतीक्षित कनहर सिंचाई परियोजना में बजट के अभाव में काम ठप होने जैसे हालात के बावजूद मुख्यमंत्री ने किसी तरह की घोषणा नहीं की। स्वास्थ्य महकमे में सोनभद्र की हालात बेहद खराब है। यहां आठ सीएचसी में किसी पर भी स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं है। अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर की भी भारी कमी है। अल्ट्रासाउंड, एक्स रे आदि सुविधाएं नगण्य है। बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में 40 फीसदी तक पद रिक्त पड़े है। सोनभद्र जैसे पिछड़े जनपदों में आजीविका का संकट बेहद गंभीर है।

किसानों की उपज बेचने के लिए मंडी बनवाने की मांग

सोनभद्र । विंढमगंज बाजार में किसानों की उपज बेचने के लिए मंडी या उपमंडी की स्थापना की मांग को लेकर मंगलवार को क्षेत्रीय किसानों, व्यापारियों ने बैठक की। कल्याण मंडप में हुई बैठक में उपज बेचने के लिए अस्थाई रूप से रामलीला ग्राउंड में व्यवस्था कराने की मांग की गई। बैठक में दुद्धी जिला बनाओ संघर्ष मोर्चा के महासचिव प्रभु सिंह कुशवाहा ने कहा कि क्षेत्र का किसान हाड़ तोड़ मेहनत कर फसल उगाता है लेकिन प्रशासन की उपेक्षा से किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। कहा कि सरकार के पास मंडी के लिए पर्याप्त फंड उपलब्ध है। लिहाजा सभी किसानों को एकजुट होकर पूरी दमदारी से मंडी स्थल बनाने की मांग उठानी चाहिए। बुटबेढ़वा के प्रधान प्रतिनिधि संजय कुमार गुप्ता ने ग्राम पंचायत में स्थित रामलीला मैदान में बारिश के दिनों में सब्जी मंडी अस्थाई रूप से लगवाने की व्यवस्था कराने पर जोर दिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश कुमार केसरी बुल्लू ने कहा कि बारिश में बाजार की दशा दयनीय हो गई है। लोग कीचड़ और बजबजाती नालियों के ऊपर बैठकर सब्जी बेचने को मजबूर हैं। बैठक में किसान शिव कुमार सिंह, विक्रम, अखिलेश, देवेश, बृजेश, पवन कुमार सिंह, बिगन सिंह, सुरेश यादव, नीरजा बौठा, सुनील कुशवाहा आदि मौजूद रहे। भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री गौरीशंकर कुशवाहा को लिखित प्रार्थना पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाई की मांग.....

सोनभद्र । कोन से तेलगुड़वा के मध्य गैर मान्यता प्राप्त दर्जनों विद्यालयों को बंद कराने के संबंध में माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष उमाकांत मिश्रा ने डीआईओएस को ज्ञापन सौंप उन्हें बंद कराने की मांग की है। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों पर कार्यवाई न होने पर आगामी 15 जुलाई के बाद विद्यालयों को बंद कराने के लिए प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्रवाई न होने से प्रतिवर्ष गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय घास पुस की तरह पनप रहे हैं। इससे पिछड़े क्षेत्र के अभिभावक इन गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालकों के झांसे में आकर बच्चों का प्रवेश करा देते हैं। बाद में उनका नामांकन कहीं दूरदराज के विद्यालय में करा कर विद्यालय प्रबंधन मोटह रकम की वसूली करता है। जिससे बच्चों और अभिभावकों को समस्याएं उठानी पड़ती है। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक का ध्यान आकृष्ट करा कर विद्यालयों को बंद कराने की मांग की है। वहीं इस वर्ष बीना मान्यता लिए विद्यालय संचालन करने वालों के विरुद्ध जनपद से प्रदेश तक आवाज बुलंद करने की बात कही है।

अवैध कार्यों में लिप्त चार पुलिसकर्मी लाइनहाजिर

सोनभद्र । एसपी यशवीर सिंह ने मंगलवार को चार पुलिस कमिऱ्यों को लाइन हाजिर कर दिया है। उन पर अवैध कार्यों में लिप्त होने का आरोप है। लाइन हाजिर किए गए चारों पुलिसकमिऱ्यों को सुबह 10 बजे तक ही लाइन में आमद कराने का भी निर्देश दिया गया था। एसपी को शिकायत मिली थी कि रेणुकूट पुलिस चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल विपिन दुबे, हेड कांस्टेबल शंकर लाल, हेड कांस्टेबल हरिशंकर राय और पेशी कार्यालय ओबरा में तैनात कांस्टेबल विशाल सिंह अवैध कार्यों में लिप्त हैं। कुछ अवांछनीय तत्वों से सांठगांठ कर अवैध कार्यों को प्रश्रय दे रहे है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने तत्काल प्रभाव से चारों को लाइन हाजिर कर दिया। उन्हें सुबह तक ही लाइन में आमद कराने के निर्देश दिए गए। एसपी यशवीर सिंह ने बताया कि अवैध कार्यों को प्रश्रय देने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस कर्मी पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

पर्यावरण संतुलन के लिए जंगल जरूरी

मिर्जापुर। प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह आयोजन जन, जंगल, जीवन और जानवर के लिए है। जंगल लगातार कटते जा रहे है। नतीजे में जानवर आबादी की ओर भाग रहे है, उनका शिकार हो रहा है। जंगल से ही जीवन है। पर्यावरण संतुलन के लिए जंगल अति आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम पांच पौधे लगाए। इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करें। विंढम फाल के वट वाटिका में मुख्य अतिथि ने पौधरोपण किया और कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश में हरियाली के लिए संकल्पित है। कार्यक्रम स्थल पर मंगलवार को 8052 पौधों का रोपण करना था। जिसे शाम तक पूरा किया गया। इस अवसर पर नगर विधायक रतनकर मिश्र, विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, विधायक विनोद बिंद, नपाध्यक्ष मोज जायसवाल आदि ने भी पौधरोपण किया नोडल अधिकारी ने किया पौधरोपण पौधरोपण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी कल्पना अवस्थी ने भी पौधरोपण किया। साथ ही जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र, सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस, डीएफओ पीएस त्रिपाठी, परियोजना निदेशक अनय मिश्रा सहित सब लोगों ने पौधरोपण में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभागीय नोडल अधिकारी एपी सिन्हा एवं आर सी झा मुख्य वन संरक्षक उपस्थित रहे। नगर में भी हुआ पौधरोपण नगर पालिका मिर्जापुर

को भी 20135 पौधरोपण करने का लक्ष्य दिया गया है। नपाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने भी पालिका के अधिशासी अधिकारी एवं अन्य विभागाध्यक्षों के साथ रामपुर मड़वा में पौधरोपण कर इस महा अभियान की शुरुआत की। पालिका की ओर से लंका की पहाड़ी, टांड गांव और टांडा फाल सहित अन्य जगहों पर 20135 पौधारोपण किए जाएंगे। जिसमें मंगलवार शाम तक 11000 पौधों का रोपण किया गया। अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता, नगर अभियंता विपीन मिश्रा, जलकल अभियंता सुधीर वर्मा, कर निर्धारण अधिकारी अरविन्द यादव, जिला स्वच्छता प्रभारी संजय सिंह, मनोज सेठ आदि लोग मौजूद रहे। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मिर्जापुर के प्रांगण में प्रधानाचार्य पीके शाक्यवार के मार्गदर्शन में 150 पौधों का रोपण किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल के संयुक्त निदेशक एम एल गुप्ता भी शामिल हुए। पौधों को लगाने के बाद उन्हें बचाएं भी जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने मंगलवार को अष्ठभुजा निरीक्षण गृह में पत्रकारों से कहा कि वन महोत्सव में पौधरोपण किया गया है। सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि पौधरोपण के बाद उनकी देखभाल कर उनको बचाएं। कहा कि प्रदेश सरकार के सौ दिन पूरे होने पर वन महोत्सव जन आंदोलन के रूप में मनाया गया है। मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को एक-एक जिले की जिम्मेदारी दी गई है। उनको मिर्जापुर जिले की जिम्मेदारी मिली है। इस बार सरकार ने सभी जनप्रतिनिधियों सहित बूथ स्तर तक के लोगों को जोड़ा है । मिर्जापुर में 79 लाख 51 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। ग्राम प्रधान ,पंचायत सचिव , ग्राम सदस्य, बीडीसी सहित सभी लोगो को इस मुहिम में जोड़ा गया है ताकि पौधों को लगाने के बाद उन्हें बचाने का काम भी किया जा सके। एक प्रश्न का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी की लापरवाही से पेड़ो का बंडल फेका देखा गया तो कार्रवाई किया जाएगा । इस दौरान नगर विधायक रतनकर मिश्रा, मझवां विधायक विनोद बिंद ,जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, एसडीएम सदर चंद्रभान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक-युवती की मौत

मिर्जापुर। अदलहाट थाना अंतर्गत वाराणसी-मिर्जापुर मार्ग पर ग्राम विशेषरपुर माफी गंगा नहर ओवर ब्रिज के पास ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक-युवती की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक में फंसे बाइक को निकाल कर ट्रक चालक भागने लगा। ग्रामीणों की सूचना पर चुनार पुलिस ने घेराबंदी किया। पुलिस को देखकर ट्रक चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। वाराणसी जिले के कैंट थाना क्षेत्र के मकबूल आलम रोड निवासी वर्तिका जायसवाल (24) का चुनार के किसी बैंक में साक्षात्कार था। वह अपने साथी गोविंद चौहान (25) निवासी चौका घाट थाना जैतपुरा के साथ साक्षात्कार के लिए मंगलवार की शाम को बाइक से आ रही थी। अदलहाट थाना क्षेत्र के वाराणसी-मिर्जापुर मार्ग पर विशेषरपुर माफी गंगा नहर ओवर ब्रिज के पास ट्रक ने बाइक में धक्का मार दिया। धक्का लगने से बाइक सवार युवक-युवकी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों की शिनाख्त कराकर परिजनों को सूचना दिया। भाग रहे ट्रक को चुनार में पकड़ लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे परिजन के अनुसार मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। युवक की दो माह पहले शादी बिहार के पतेसर में हुई थी। वह अपने पिता और भाइयों सहित लकड़ी का कारोबार करता था। युवती चार बहनों में सबसे छोटी थी। मृतका के पिता की मौत 10 वर्ष पूर्व हो चुका है। मौत की सूचना मिलने पर दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। अइलहाट थानाध्यक्ष विजय चौरसिया ने बताया कि युवक के साथ युवती साक्षात्कार के लिए आ रही थी। हादसे में दोनों मौत हो गई। ट्रक को कब्जे में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत

मिर्जापुर। डूमंडगंज चौकी क्षेत्र के रीवा-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग फोर लेन पर स्थित भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव के सामने मंगलवार की सुबह साढ़े नौ बजे सड़क पार करते समय ट्रक की चपेट में आने से किशोर की मौत हो गई। चिकित्सक द्वारा

मृत घोषित करने के बाद किशोर के परिजन व स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। मध्य प्रदेश के रीवां हनुमाना नाउन निवासी हरिओम जायसवाल (14) पुत्र संतोष जायसवाल भैसोड़ बलाय पहाड़ निवासी अपने नाना संगम जायसवाल के घर आया था। मंगलवार की सुबह हरिओम शौच जाने के लिए फोर लेन सड़क पार कर रहा था। उसी दौरान वह मिर्जापुर की ओर से आ रही एक ट्रक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों द्वारा घायल किशोर को इलाज के लिए तत्काल कोरांव स्थित एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने किशोर को मृत घोषित कर दिया। उसके बाद वहां से लौटे आक्रोशित परिजनों ने करीब तीन बजे भैसोड़ गांव के पास फोर लेन पर किशोर के शव को रखकर सड़क जाम कर दिया। सूचना पर पहुंचें सीओ लालगंज उमाशंकर सिंह, थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह तथा चौकी प्रभारी रामबहादुर राय ने आक्रोशित परिजनों को प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन देकर शाम पांच बजे रोड जाम समाप्त कराया। परिजनों को सांत्वना देने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा होने के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक उसके चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था।

द्रविड़ और बुमराह की चूक पड़ी भारी, इंग्लैंड के दिग्गज ने बताया क्यों हारा भारत

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने बताया है कि क्यों भारतीय गेंदबाज चौथी पारी में 378 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके और किस गलती की वजह से भारत को हार का सामना करना पड़ा। एजबेस्टन में भारतीय टीम

के पास टेस्ट मैच जीतकर या ड्रॉ कराकर 15 साल बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का मौका था, लेकिन टीम इंडिया ऐसा नहीं कर पाई। पांच मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में भारत को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारत के सीरीज जीतने का सपना टूट गया और टेस्ट सीरीज 2-2 की बराबरी पर छूट गई। इंग्लैंड ने चौथी पारी में 378 रन के लक्ष्य का पीछा कर इतिहास बना दिया। भारतीय गेंदबाज दूसरी पारी में सिर्फ दो ही विकेट ले पाए। वहीं, एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। भारत की इस हार के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। भारत के गेंदबाज लगातार विदेशों में टीम इंडिया को जीत दिला रहे थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 378 रन के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पाए। अब इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने भारत की हार का कारण बताया है। अश्विन को न खिलाना पड़ा महंगा डेविड लॉयड के अनुसार एजबेस्टन टेस्ट में भारतीय टीम चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर के साथ मैदान में उतरी थी। रवींद्र जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र स्पिन गेंदबाज थे। उनकी बल्लेबाजी के चलते उन्हें अश्विन के ऊपर वरीयता दी गई थी, लेकिन इसी वजह से भारत यह मैच हार गया। लॉयड ने डेली मेल के लिए अपने कॉलम में लिखा ठमैंनें कभी नहीं सोचा था कि मैं ऐसा कहूंगा, लेकिन भारत एक अच्छे स्पिन गेंदबाज की कमी के चलते यह मैच हार गया। उन्होंने रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल करके अपनी बल्लेबाजी मजबूत की थी। इंग्लैंड में वो एक स्पिनर के रूप में काफी तेज और सीधी गेंदबाजी करते हैं। लूप ड्रिफ्ट और स्पिन की वजह से विकेट मिलते हैं। अश्विन के अंदर ये क्षमता है, लेकिन भारत ने रक्षात्मक रवैया अपनाया और मैच हार गया। उन्होंने आगे लिखा कि जो रूट ने जिस तरह से रिवर्स स्वीप जैसे शॉट खेले वह अद्भुत था। रूट आमतौर पर टेस्ट में पारंपरिक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं। वो कम से कम जोखिम लेकर बल्लेबाजी करते हैं और लंबी पारियां खेलते हैं, लेकिन इस मैच में उन्होंने रिवर्स स्वीप और आगे बढ़कर भी बड़े शॉट लगाए। इंग्लैंड के नए कोच ब्रेंडन मैक्कुलम की रणनीति टीम के लिए काम कर रही है। इसी वजह से यह टीम 378 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर पाई।

वनडे के बाद टेस्ट क्रिकेट का अंदाज भी बदल रहा है इंग्लैंड, अब डिफेंस नहीं अटैक है जीत फंडा

नई दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट में हमेशा से ही बल्लेबाज धीमी गति से बल्लेबाजी करते थे और वही बल्लेबाज सफल होते थे, जिनका डिफेंस बेहतर होता था, लेकिन अब इंग्लैंड की टीम इस धारणा को खत्म कर रही है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पांचवें मुकाबले में इंग्लैंड ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। 378 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने शानदार खेल दिखाया और सात विकेट के अंतर

से यह मैच जीता। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी इंग्लैंड ने लगातार तीन मैच जीते थे। बेन स्टोक्स की अगुआई में इंग्लैंड ने भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ जिस तरह का खेल दिखाया है, वह टेस्ट क्रिकेट की नई परिभाषा लिख रहा है। खुद स्टोक्स ने भी भारत के खिलाफ यही बात कही है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में करारी हार के बाद इंग्लैंड क्रिकेट में कई बदलाव किए गए। क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष से लेकर टीम के कोच कप्तान तक सब कुछ बदल गया। ब्रेंडन मैक्कुलम के कोच बनने के बाद इंग्लैंड की टीम अलग अंदाज में खेली है। इसी वजह से यह टीम लगातार चार मैच जीत चुकी है और वनडे के बाद टेस्ट खेलने का नया अंदाज सबके सामने रखा है। 2015 विश्व कप में इंग्लैंड की टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा था। टीम लीग स्टेज में ही हारकर बाहर हो गई थी। इसके बाद इयोन मॉर्गन को टीम का कप्तान बनाया गया और इंग्लैंड की वनडे टीम पूरी तरह बदल गई। पुराने खिलाड़ियों के खेलने का अंदाज बदल गया। इंग्लैंड के लिए 300 से ज्यादा का स्कोर बनाना मुश्किल होता था, लेकिन अब यही टीम पांच बार 400 से ज्यादा का स्कोर बना चुकी है। वनडे के तीन सबसे बड़े स्कोर इंग्लैंड के ही नाम हैं और ये सभी स्कोर 2016 से 2022 के बीच बने हैं। आमतौर पर वनडे क्रिकेट में सभी टीमें पावरप्ले में तेजी से रन बनाती थीं और बीच के ओवरों में विकेट बचाकर बल्लेबाजी करती थीं। अंत के ओवरों में विकेट हाथ में रहते थे तो रन तेजी से बनते थे और एक अच्छा स्कोर बन जाता था। गेंदबाजों के पास इसका बचाव करने का मौका रहता था। मॉर्गन की कप्तानी में इंग्लैंड ने यह तरीका बदला और पहले ही ओवर से लगातार आक्रामक बल्लेबाजी करना शुरू किया। बीच के ओवरों में भी इंग्लैंड के बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी करते रहे और एक अच्छे स्कोर की पैमाना बदल गया। अब इंग्लैंड की टीम अक्सर 300 से ज्यादा या 400 के करीब स्कोर बनाती है, जिसका पीछा करने में विपक्षी टीम के बल्लेबाजों को बहुत परेशानी होती है। अधिकतर टीमें इतने बड़े स्कोर के दबाव में आ जाती हैं और पहली पारी के बाद ही इंग्लैंड लगभग मैच जीत चुका होता है। अब यह टीम टेस्ट खेलने का अंदाज भी बदल रही है। ब्रेंडन मैक्कुलम के कोच और बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद इंग्लैंड ने चार टेस्ट खेले हैं और सभी में जीत हासिल की है। खास बात यह है कि अब यह टीम लक्ष्य का पीछा करना पसंद करती है, जबकि टेस्ट क्रिकेट में पहली पारी की बढ़त को हमेशा से निर्णायक माना जाता रहा है। भारत में रणजी मुकाबलों का नतीजा भी कई बार पहली पारी की बढ़त के आधार पर तय होता है, लेकिन इंग्लैंड ने इस आधार को बदला है। पिछले चार मैचों में इस टीम ने लगातार चार रन प्रति ओवर की गति से रन बनाए हैं। चौथी पारी में 250 या उससे ज्यादा का लक्ष्य मिलने पर आसानी से उसका पीछा किया है। इंग्लैंड के बल्लेबाज जिस तेजी से रन बनाते हैं, उनके लिए पिच ज्यादा मायने नहीं रखती। लगातार बड़े शॉट खेलने से गेंदबाज की लय बिगड़ जाती है और जब वह सही टप्पे पर गेंदबाजी नहीं करता तो उसे पिच से भी कोई मदद नहीं मिलती है। इसी वजह से मैच की चौथी पारी में बल्लेबाजी करने के बावजूद इंग्लैंड आसानी से 378 रन का लक्ष्य चेज कर गया। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भी आसानी से लक्ष्य का पीछा किया था। क्या बदल जाएगा टेस्ट खेलने का तरीका इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम ने भी काफी तेजी से रन बनाए थे। खासकर ऋषभ पंत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी, लेकिन उनके खेलने का अंदाज वही है। भारत के बाकी खिलाड़ी अपना समय लेकर बल्लेबाजी कर रहे थे और आसानी से रन बना रहे थे, लेकिन आने वाले समय में ये चीजें बदल सकती है। हालांकि, इंग्लैंड की टीम अभी अपने घर में ही खेल रही है। अगर एशियाई पिचों में आकर भी यह टीम इसी अंदाज में बल्लेबाजी करती है और सफल रहती है तो बाकी टीमें भी टेस्ट में टी20 वाला अंदाज अपना सकती है।

एजबेस्टन टेस्ट के बाद भारत-इंग्लैंड के कप्तानों का यह रहा रिएक्शन, पूर्व कोच शास्त्री ने दी ये प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। शास्त्री ने कहा, 'विकेट गंवाने के बावजूद वे जोखिम उठा सकते थे। खेल में उस समय रन काफी महत्वपूर्ण थे और मुझे लगता है कि वे काफी रक्षात्मक हो गए, विकेट काफी जल्दी जल्दी गंवाए और इंग्लैंड को बल्लेबाजी का पर्याप्त समय दे दिया।' पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि पांचवें टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी में बल्लेबाजी में भारत के 'डर' और 'रक्षात्मक' रवैये के कारण इंग्लैंड

को वापसी करने का मौका मिल गया। पहली पारी में 132 रन की बढ़त बनाने वाला भारत दूसरी पारी में सिर्फ 245 रन पर सिमट गया। कमेंट्री टीम का हिस्सा शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह निराशाजनक था क्योंकि वे अपनी बल्लेबाजी से इंग्लैंड को मुकाबले से बाहर कर सकते थे। उन्हें दो सत्र बल्लेबाजी करने की जरूरत थी और मुझे लगता है कि वे रक्षात्मक थे, वे डरे हुए थे, विशेषकर लंच के बाद।' शास्त्री ने कहा, 'विकेट गंवाने के बावजूद वे जोखिम उठा सकते थे। खेल में उस समय रन काफी महत्वपूर्ण थे और मुझे लगता है कि वे काफी रक्षात्मक हो गए, विकेट काफी जल्दी जल्दी गंवाए और इंग्लैंड को बल्लेबाजी का पर्याप्त समय दे दिया।' टेस्ट क्रिकेट का नया जीवन देना चाहते हैं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा- पांच हफ्ते पहले 378 का लक्ष्य काफी डरावना था। हमारे खिलाड़ियों ने इसे आसान बना दिया। जॉनी और रूट को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने बुमराह और शमी का डटकर सामना किया। कभी-कभी टीमें हमसे अच्छी होंगी। जैक लीच के अनुसार कोई भी हमसे बहादुर नहीं होगा। हम टेस्ट क्रिकेट को लेकर नई इबारत लिखने जा रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट कैसे खेला जाता है, विशेषकर इंग्लैंड में। हम टेस्ट क्रिकेट को नया जीवन देना चाहते हैं। प्रशंसकों के लिए नया सेट ला रहे हैं। हम नई छाप छोड़ना चाहते हैं। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने हमसे बेहतर खेला भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा- किंतु और परंतु हमेशा चलने वाली चीजें हैं। ऐसा क्रिकेट में होता है। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में हमसे बेहतर खेला। दोनों ही टीमों ने अच्छा क्रिकेट खेला। ऋषभ और जड्डू के पलटवार से हम खेल में आगे थे। ऋषभ ने बहुत अच्छा किया। कप्तानी एक अच्छी चुनौती थी। इससे काफी कुछ सीखा। टीम का नेतृत्व करना बहुत बड़ा सम्मान और अनुभव है।

इस देश ने लिया बड़ा फैसला महिला और पुरुष क्रिकेटरों को मिलेगा समान वेतन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) और खिलाड़ी संघ के बीच पांच साल का ऐतिहासिक करार हुआ। इसमें कहा गया कि पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में समान मैच फीस मिलेगी। अभी दुनिया में लैंगिक असमानता खत्म नहीं हुई है और

यह अंतर वेतन में भी दिखता है। इस स्थिति से खेल जगत भी अछूता नहीं है, लेकिन अब पहली बार विश्व क्रिकेट में न्यूजीलैंड बोर्ड ने महिला और पुरुष क्रिकेटरों को एकसमान वेतन देने की घोषणा की है। इस संबंध में मंगलवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) और खिलाड़ी संघ के बीच पांच साल का ऐतिहासिक करार हुआ। इसमें कहा गया कि पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में समान मैच फीस मिलेगी। एनजेडसी, छह बड़े संघों और न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के तहत वाइट फर्न (न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम) और घरेलू महिला खिलाड़ियों को सभी प्रारूपों में पुरुषों के समान मैच फीस मिलेगी। बयान के मुताबिक, शीर्ष रैंकिंग वाली वाइट फर्न को साल में अधिकतम 1 लाख 63 हजार 246 न्यूजीलैंड डॉलर (पहले 83 हजार, 432 न्यूजीलैंड डॉलर), नौवीं रैंकिंग की खिलाड़ी को 1 लाख 48 हजार 946 डॉलर (पहले 66 हजार 266 न्यूजीलैंड डॉलर) और 17वीं रैंकिंग वाली खिलाड़ी को 1 लाख 42 हजार 346 न्यूजीलैंड डॉलर (62 हजार 833 न्यूजीलैंड डॉलर) तक मिलेंगे। शीर्ष रैंकिंग वाली महिला घरेलू खिलाड़ियों को अधिकतम 19 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (पहले तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर), छठी रैंकिंग की खिलाड़ी को 18 हजार 646 न्यूजीलैंड डॉलर (पहले तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर) और 12वीं रैंकिंग खिलाड़ी को 18 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (पहले तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर) तक मिलेंगे।करार के अनुसार, घरेलू अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या 54 से बढ़कर 72 होगी। वहीं पुरुष खिलाड़ियों को अधिक मैच खेलने, ट्रेनिंग और खेलने में ज्यादा समय बिताने पर अधिक रिटेनर राशि दी जाएगी। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा- यह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू महिला खिलाड़ियों के लिए अच्छा है कि उन्हें पुरुषों के समान करार के साथ मान्यता मिल रही है। न्यूजीलैंड के पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान केन विलियम्सन ने कहा- यह आगे की दिशा में बढ़ाया गया बड़ा कदम है। इससे युवा महिला और लड़कियां खेल के प्रति आकर्षित होंगी। केन विलियम्सन, कप्तान, पुरुष क्रिकेट टीम।2021-22 में महिला क्रिकेटरों की फीस : कैटेगरी ए (50 लाख रुपये), कैटेगरी बी (30 लाख रुपये), कैटेगरी सी (10 लाख रुपये) 2021-22 में पुरुष क्रिकेटरों की फीस : कैटेगरी ए प्लस (7 करोड़ रुपये), कैटेगरी ए (5 करोड़ रुपये), कैटेगरी बी (3 करोड़ रुपये), कैटेगरी सी (1 करोड़ रुपये) पुरुष घरेलू क्रिकेटर वेतन : सीनियर कैटेगरी (60 हजार रुपये), अंडर-23 (25 हजार रुपये), अंडर-19 (20 हजार रुपये)एक टेस्ट (15 लाख रुपये), वनडे मैच (6 लाख रुपये), टी-20 (3 लाख रुपये)।

सचिन तेंदुलकर से लेकर वसीम जाफर तक, जानें इंग्लैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद क्या बोले दिग्गज

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ 378 रन के लक्ष्य का पीछा करके इंग्लैंड ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इस मैच में जो रूट और जॉनी बेयरस्टो ने 269 रन की नाबाद साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई। भारत के खिलाफ टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद सीरीज की हार से बचने के लिए इंग्लैंड को आखिरी मैच हर हाल में जीतना था और बेन स्टोक्स की टीम इसी अंदाज में खेली। मैच की चौथी पारी में इंग्लैंड के सामने 378 रन का लक्ष्य था। टेस्ट क्रिकेट में यह लक्ष्य बहुत मुश्किल

था और इंग्लैंड की टीम इससे पहले कभी भी इतने बड़े लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई थी। भारत के खिलाफ भी कोई टीम टेस्ट में 339 रन से ज्यादा के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई थी, लेकिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इतिहास रचते हुए यह मैच अपने नाम किया। यह मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म की। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने कमा करते हुए 78 ओवर के अंदर 378 रन बना दिए। जो रूट और जॉनी बेयरस्टो ने 269 रन की नाबाद साझेदारी की और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इसके बाद क्रिकेट जगत के दिग्गजों ने इंग्लैंड की टीम को जमकर सराहा है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा ठसीरीज में बराबरी करने के लिए इंग्लैंड की खास जीत। जो रूट और जॉनी बेयरस्टो शानदार फॉर्म में थे और इन्हें देखकर बल्लेबाजी बहुत आसान लग रही थी। बेहतरीन जीत पर इंग्लैंड की टीम को बधाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने जो रूट और जॉनी बेयरस्टो की तारीफ में लिखा ठइन दोनों के लिए कोई भी पुरस्कार कम होगा। मौजूदा समय में जो रूट टेस्ट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन जॉनी बेयरस्टो ने जिस तरह दोनों पारियों में चुनौती स्वीकार की वह शानदार था। आपको कहना होगा कि शानदार खेले।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग में इन दिग्गजों की होगी मैदान पर वापसी, जानकर खुशी से उछल पड़ेंगे.....

नई दिल्ली। लीजेंड्स क्रिकेट लीग के दूसरे सत्र की घोषणा हो चुकी है। इस साल चार टीमें हिस्सा लेंगी और 110 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आएंगे। वीरेंद्र सहवाग,

इरफान पठान और यूसुफ पठान जैसे भारत के पूर्व क्रिकेटर भी लीजेंड्स क्रिकेट लीग (एसएलसी) के दूसरे सत्र में खेलते दिखेंगे। पिछले सीजन में हिस्सा नहीं लेने वाले सहवाग ने कहा- मैं एलएलसी के पहले सत्र में नहीं खेल पाया था, लेकिन दूसरे सीजन के साथ क्रिकेट के मैदान पर वापसी करना शानदार होगा। सहवाग के अलावा पठान बंधुओं ने भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। लीजेंड्स क्रिकेट लीग के आयुक्त पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा- लीजेंड्स के उत्सव की वापसी हो रही है। दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेटर एक साथ खेलते हुए नजर आएंगे। टूर्नामेंट के पहले सीजन में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटरों ने तीन टीम भारत, एशियाई और शेष विश्व का प्रतिनिधित्व किया था। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग की शैली में चार फ्रेंचाइजी टीम हिस्सा लेंगी। एलएलसी के सीईओ रमन रहेजा ने कहा कि हम समय आने पर सारी जानकारी देंगे। फिलहाल हमारे पास 110 खिलाड़ी हैं, जिन्हें अगस्त की शुरुआत में ड्राफ्ट के जरिए चार टीमों में शामिल किया जाएगा। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। इस साल टूर्नामेंट 20 सितंबर से 10 अक्तूबर के बीच ओमान में होगा।

टीम इंडिया की हार पर बोले कोच द्रविड़- तीसरी और चौथी पारी में खिलाड़ियों के फेल होने का करेंगे रिव्यू

नई दिल्ली। टीम इंडिया अपनी दूसरी पारी में फिसड्डी रही थी और चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 245 रन पर सिमट गई। इसके बाद इंग्लैंड ने 378 रन के लक्ष्य को सिर्फ तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया इंग्लैंड ने भारत

को एजबेस्टन टेस्ट में सात विकेट से हरा दिया है। इस हार के बाद भारतीय टीम की आलोचना भी हो रही है। दरअसल, भारतीय टीम ने पहली पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी की थी और 416 रन का स्कोर बनाया था। इतना ही नहीं, टीम इंडिया ने इंग्लैंड को पहली पारी में 284 रन पर समेट कर 132 रन की बढ़त भी हासिल की थी। टीम इंडिया अपनी दूसरी पारी में फिसड्डी रही थी और चौथे दिन बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 245 रन पर सिमट गई। इसके बाद इंग्लैंड ने 378 रन के लक्ष्य को सिर्फ तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस साल इसी स्टाइल में हारी थी। तब भी दक्षिण अफ्रीका ने चौथी पारी में शानदार बल्लेबाजी कर जीत हासिल की थी।अब कोच राहुल द्रविड़ ने एजबेस्टन टेस्ट के बाद इस मसले पर रिव्यू करने का फैसला लिया है। इंग्लैंड से हार के बाद कोच द्रविड़ ने कहा- हम पिछले कुछ समय से इतना क्रिकेट खेल रहे हैं कि हमारे पास किसी चीज पर विचार करने का समय नहीं है। दो दिन बाद हम आपसे किसी अन्य चीजों पर बात करते हुए दिखेंगे। द्रविड़ ने यह बात इंग्लैंड से होने वाले टी-20 सीरीज को लेकर कही। उन्होंने कहा- हम निश्चित तौर पर भारतीय टीम के इस प्रदर्शन पर नजर डालेंगे। हमारे लिए हर मैच एक सीख की तरह है। हम इससे कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते हैं। हम रिव्यू करेंगे कि तीसरी पारी में हम क्यों अच्छी बल्लेबाजी करने में नाकाम रहे हैं।

राशीफल

मेष-:आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-:आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-:कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-:बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-:आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-:आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-:अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-:आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-:अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

कमजोर होते रुपये के मायने : जोखिम लेने से विदेशी निवेशक क्यों कर रहे परहेज, क्या रंग लाएगी रेपो दर में वृद्धि.....

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के लिए उसकी मुद्रा की कीमत का कम होना अच्छा नहीं माना जाता है। वहीं, रुपये में आ रही कमजोरी को जल्दबाजी में रोकने की कोशिश करना भी सही नहीं है, क्योंकि नीतिगत दरों में बढ़ोतरी से महंगाई पर कुछ हद तक लगाम लगाई जा सकती है, लेकिन इससे निवेश, ऋण वृद्धि, रोजगार सृजन आदि में कमी आ सकती है। बढ़ती ब्याज दर के दौर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जोखिम लेने से परहेज कर रहे हैं और भारत से अपना पैसा निकालकर डॉलर में निवेश कर रहे हैं। नतीजतन रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इसके साथ, बैंक भी डॉलर की लगातार लिवाली कर रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों से डॉलर के मुकाबले रुपया निरंतर कमजोर होता जा रहा है। 22 जून को डॉलर के मुकाबले रुपया 31 पैसे घटकर 78.39 के निचले स्तर पर बंद हुआ था। 20 जून को रुपया 78.08 पर और इससे पहले 13 जून को रुपया 78.28 के निचले स्तर पर बंद हुआ था। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 78.75 के निचले स्तर पर आ गया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस साल एफपीआई ने 2.08 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की और रोजाना 2,200 करोड़ रुपये की बिकवाली की। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से एफपीआई प्रतिदिन 4,500 करोड़ रुपये की बिकवाली कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक रुपये की कमजोरी थामने की निरंतर कोशिश कर रहा है, पर उसे अभी तक कुछ खास सफलता नहीं मिली है। 15 जून को अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर में 75 आधार अंकों की बढ़ोतरी की थी और कहा जा रहा है कि जुलाई में प्रस्तावित अगली बैठक में भी फेडरल रिजर्व ब्याज दर में बढ़ोतरी कर सकता है। वर्ष 2022 में अब तक फेडरल रिजर्व ब्याज दर में 150 आधार अंक का इजाफा कर चुका है। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने भी 16 जून को ब्याज दर में 1.25 प्रतिशत की वृद्धि की है, जो विगत 13 वर्षों में सबसे अधिक है। यूरो जोन में महंगाई दर 40 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर आठ प्रतिशत से ऊपर के स्तर पर पहुंच गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हालिया मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत का इजाफा किया है। इसके पहले, मई के प्रथम सप्ताह में केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दर में 0.40 की बढ़ोतरी की गई थी। रेपो दर में ताजा बढ़ोतरी के साथ यह बढ़कर 4.90 प्रतिशत पर पहुंच गई है। रेपो दर में वृद्धि के बाद बैंक उधारी दरों में बढ़ोतरी कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने 15 जून को उधारी दर में 20 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है। रुपये में कमजोरी आने से लोगों की खरीदने की क्षमता घट जाती है। मौजूदा परिदृश्य में भारत के लोगों की क्रय शक्ति कम हो गई है। ऐसी अवस्था में लोगों की कमाई कम नहीं होती है, लेकिन मुद्रा की कीमत कम हो जाने की वजह से लोगों को किसी वस्तु को खरीदने के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं, जिसके कारण वे न तो जरूरत के सामान खरीद पाते हैं और न ही बचत कर पाते हैं। साथ ही, आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने लगती हैं। उत्पादन और विकास दर, दोनों में गिरावट दर्ज की जाती है। रोजगार सृजन बंद हो जाता है और लोगों के हाथों से रोजगार फिसलने लगते हैं। महंगाई की वजह से विविध उत्पादों की मांग में कमी आ जाती है और मांग में कमी आने से कल-कारखानों को उत्पादन घटाना पड़ता है, जिसके कारण कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ता है और लंबी अवधि तक नकारात्मक स्थिति बनी रहने से कंपनियां बंद भी हो जाती हैं। वास्तव में वर्ष 1960 से भारत में कच्चे तेल की खपत में तेजी आने लगी, क्योंकि विकास के विविध मानकों को गतिशील रखने के लिए देश में ज्यादा कच्चे तेल की जरूरत थी। वर्ष 1965 तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपये की कीमत को पाउंड में मापा जाता था, जबकि वर्ष 1966 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपये को डॉलर के बरक्स मापा जाने लगा। वर्ष 1966 में एक डॉलर की कीमत 7.5 रुपये थी, जो अब 80 पहुंचने के कगार पर है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के लिए उसकी मुद्रा की कीमत का कम होना अच्छा नहीं माना जाता है। वहीं, रुपये में आ रही कमजोरी को जल्दबाजी में रोकने की कोशिश करना भी सही नहीं है, क्योंकि नीतिगत दरों में बढ़ोतरी से महंगाई पर कुछ हद तक लगाम लगाई जा सकती है, लेकिन इससे निवेश, ऋण वृद्धि, रोजगार सृजन आदि में कमी आ सकती है, जो विकास की गति को तेज करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

आपदा : असम की बाढ़ है खतरे की घंटी, मौसम के पूर्वानुमान के हिसाब से पहले ही कर लेनी चाहिए तैयारी

असम में विभिन्न कारणों से बार-बार बाढ़ आने का खतरा रहता है। पहला, उच्च अवसादन और खड़ी ढलानों के कारण असम से गुजरते हुए ब्रह्मपुत्र नदी बेतरतीब ढंग से बहती है। दूसरा, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ अन्य हिस्सों में बार-बार भूकंप आने का खतरा होता है, जो भूस्खलन का कारण बनता है। असम के दरांग जिले के बासाचुबा गांव के लोग पहले मई और फिर जून में दो बार भयंकर बाढ़ से बेघर हो गए। अगर जुलाई में फिर इसी तरह से बारिश हुई, तो दरांग के गांवों में तीन महीने में फिर तीसरी बार बाढ़ आ सकती है। मौसम के पूर्वानुमान में जुलाई के अंत में भारी बारिश की आशंका व्यक्त की गई है, ऐसे में पूरे असम के ग्रामीण लोग सबसे बुरी स्थिति न आने के लिए केवल प्रार्थना कर सकते हैं। दरांग वह जिला है, जहां ब्रह्मपुत्र नदी की कई सहायक नदियां भूटान से नीचे बहती हैं और नदी की मुख्यधारा में मिल जाती हैं। बासाचुबा के ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों तक बारिश होने से सहायक नदियों के दोनों किनारों पर तटबंध टूट गए, इससे दोनों तरफ के गांव डूब गए। एक ग्रामीण मृणमयनाथ बताते हैं, 'गांव के ऊंचे इलाकों में भी घुटनों तक पानी भर गया। चार-पांच दिनों से पीने का पानी नहीं है क्योंकि नलकूप पानी में डूबे हुए हैं। यहां तक कि शौचालय भी पानी में डूब गए।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, असम की मौजूदा बाढ़ ने 181 लोगों की जान ले ली और 32 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए। कई जगहों पर गांवों को नदियों की बाढ़ से बचाने के लिए बनाए गए तटबंध टूट गए। ग्रामीणों पर यह आरोप लगा कि दक्षिणी असम में बराक नदी के खतरे के निशान पर पहुंचने के साथ उन्होंने अपने गांवों

को बाढ़ से बचाने के लिए बेथुकांडी बांध के एक बड़े हिस्से को काट दिया। इससे बराक नदी के तटबंध में बड़ा छेद हो गया और असम का दूसरा सबसे बड़ा शहर सिलचर बाढ़ की चपेट में आ गया। सिलचर के निवासियों ने कहा कि शहर पूरे 18 दिनों तक कमर तक पानी में डूबा रहा। 83 साल के रंजीत नंदी ने कहा, 'हमने कई बाढ़ देखी है, लेकिन 70 साल में ऐसी बाढ़ नहीं देखी। लगभग एक सप्ताह तक न बिजली थी, न पीने का पानी, न भोजन।' असहाय आबादी को पानी की बोतल एवं खाने के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए कछार जिला प्रशासन को भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद लेनी पड़ी। पुलिस ने बताया कि महिषा बील के निवासियों ने बराक नदी से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए बेथुकांडी में तटबंध तोड़ दिया था। जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता देबब्रत पाल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने सिलचर में बाढ़ वाले इलाके में जाकर लोगों की तकलीफों को समझने की कोशिश की और जिला पुलिस को तटबंध काटने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। 'निरंतर भारी बारिश के कारण लोगों को कोई राहत नहीं है। राज्य में 19 जून, 2022 तक 53.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। जून के पहले 12 दिनों में कुल 528.5 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 109 प्रतिशत अधिक थी। पृथ्वी के सबसे नम क्षेत्र मेघालय में जून में 1,215.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, नतीजतन 185 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और अंत में मणिपुर में भयंकर भूस्खलन हुआ, जिसमें दर्जनों प्रादेशिक सेना के जवान और स्थानीय ग्रामीण दब गए। मणिपुर में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या अब 27 हो गई, और 40 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल ने इस अभूतपूर्व बारिश और बाढ़ के बाद पूर्वोत्तर में विनाशकारी भूस्खलन को दुर्लभ घटना बताया है। उन्होंने कहा कि प्रशांत क्षेत्र में ला नीना और हिंद महासागर में एक नकारात्मक द्विध्रुवीय संयोजन ने बंगाल की खाड़ी में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर बहने वाली हवाओं को मजबूत किया है। बंगाल की खाड़ी में ये तेज मानसूनी हवाएं अब पहले से कहीं अधिक नमी ला सकती हैं। बढ़ते तापमान के साथ वायुमंडलीय नमी की मात्रा बढ़ जाती है, क्योंकि गर्म हवा लंबे समय तक अधिक नमी रखती है। इसलिए अब हम जो भारी मात्रा में वर्षा देखते हैं, वह जलवायु परिवर्तन के कारण हो सकती है। असम का अधिकांश हिस्सा बाढ़ से बचाव के लिए नदी के तटबंधों पर निर्भर है। लेकिन मई में तटबंध टूट गए और ठेकेदारों द्वारा जल्दबाजी में बनाए गए तटबंध जून में भारी बारिश के दौरान फिर से टूट गए। जिन कंपनियों को सरकार द्वारा ठेके दिए जाते हैं, उन्हें बार-बार तटबंध टूटने से लाभ हुआ। 19 जून, 2022 की असम राज्य आपदा प्रबंधन बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, असम के 20 जिलों में कुल 297 तटबंध टूट गए, जिनमें से 33 केवल दरांग जिले में हैं। इससे लाखों लोगों को ब्रह्मपुत्र या बराक जैसी उग्र नदी से कोई वास्तविक सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बुरी बात है कि असम के दस प्रतिशत जिला प्रशासन ने अपनी आपदा प्रबंधन योजना (डीडीएमपी) को अद्यतन नहीं किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि डीडीएमपी को अद्यतन करने और उसे व्यावहारिक रूप से लागू करने से बाढ़ के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सकती है। विभिन्न कारणों से असम में बार-बार बाढ़ आने का खतरा रहता है। पहला, उच्च अवसादन और खड़ी ढलानों के कारण असम से गुजरते हुए ब्रह्मपुत्र नदी बेतरतीब ढंग से बहती है। दूसरा, असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ अन्य हिस्सों में बार-बार भूकंप आने का खतरा होता है, जो भूस्खलन का कारण बनता है। बार-बार भूकंप और भूस्खलन से नदियों में भारी मलबा आ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप नदी में गाद भर जाती है। तीसरा, असम ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों के आसपास तट कटाव का भी सामना कर रहा है। एक अनुमान के अनुसार, असम में लगभग 8,000 हेक्टेयर भूमि कटाव के कारण नष्ट हो गई है। तट कटाव के कारण ब्रह्मपुत्र नदी की चौड़ाई 15 किलोमीटर तक बढ़ गई है। चौथा, असम में बाढ़ के मानव निर्मित कारणों में पहाड़ियों पर स्थित बांधों से पानी छोड़ना भी शामिल है। पांचवां, इस क्षेत्र की भौगोलिक संरचना कटोरे की तरह है, जिसके चलते क्षेत्र में जलभराव हो जाता है। बाढ़ से बचाव के लिए क्या किया जाना चाहिए? सरकार को जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ नदियों का भी अध्ययन कराना चाहिए। नदी को बेहतर तरीके से समझने के लिए जल प्रवाह की जानकारी जनता के साथ साझा की जानी चाहिए। यह जानकारी चीन ने भारत के साथ साझा की है। बारिश का बेहद सटीक पूर्वानुमान लगाया जाना चाहिए, ताकि तैयारी में मदद मिल सके।

उम्मीद : 'ब्रिक्स' में ईरान की अर्जी से हलचल, सदस्यता मिलने के मायने और वैश्विक बिसात पर बिछी मोहरें

भारत ब्रिक्स के अलावा क्वाड का भी सदस्य है और क्वाड में उसके सहयोगी राष्ट्र हैं- अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया। चीन की परोक्ष मंशा है कि ईरान और अर्जेंटीना को ब्रिक्स में लाकर अमेरिका के विरुद्ध वैश्विक स्तर पर मोहरें बिछाए जाएं। वैश्विक संगठनों की कतार में ब्रिक्स नवजात संगठन है। पांच देशों के समूह ब्रिक्स में सदस्यता के लिए ईरान की अर्जी ने ब्रिक्स-राष्ट्रों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय राजनय में भी हलचल पैदा कर दी है। यद्यपि ब्रिक्स की सदस्यता के लिए लातिनी अमेरिकी देश अर्जेंटीना ने भी आवेदन किया है। अलबत्ता उत्सुकता और आशंकाएं ईरान को लेकर ही व्यक्त की जा रही हैं। वजह यह कि अमेरिका और ईरान के संबंध कई दशकों से खराब हैं और उन देशों की ईरान से नजदीकियां उसे कतई पसंद नहीं आतीं, जो उसके लिए अहमियत रखते हैं। ब्रिक्स में ईरान के संभावित दाखिले को भी वह चीन के पैंतरे के रूप में देख रहा है। यह बात वैसे भी लुकी-छिपी नहीं है कि चीन अमेरिका को छेड़ने और पछाड़ने की कोशिशों में लगातार लगा रहता है। अमेरिका विरोधी संजाल को मजबूत करने के मकसद से बीजिंग की कोशिश है कि ईरान को ब्रिक्स में प्रवेश मिले। विगत 23-24 जून को ब्रिक्स के 14वें सम्मेलन में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को न्यौता इसकी तस्दीक करता है। इब्राहिम रईसी ने मौका न गंवाते हुए सम्मेलन को संबोधित किया और कोरोना-त्रासदी, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक शांति पर अपने विचार रखे। उन्होंने राष्ट्रों के मध्य डॉयलॉग की अहमियत पर जोर दिया और शीतयुद्ध की मानसिकता को खुराक प्रदान नहीं करने की गुजारिश की। वैश्विक आर्थिकी और राजनय में ब्रिक्स का खासा महत्व है और यह बात व्हाइट हाउस से छिपी नहीं है। ब्रिक्स देशों में विश्व की 40 फीसदी जनसंख्या निवास करती है और विश्व के सकल उत्पाद में इसकी भागीदारी करीब 30 फीसदी है। ब्रिक्स के तीन सदस्य राष्ट्र- भारत, चीन और रूस-परमाणु शक्ति संपन्न हैं। और उनका एका किसी भी आर्थिक, राजनयिक और सामरिक संतुलन को बदल सकता है। गौरतलब है कि चीन की अर्थव्यवस्था 150 अरब डॉलर की है। ताइवान और प्रशांत महासागरीय कुछ द्वीपों पर उसकी गिद्ध दृष्टि के परिप्रेक्ष्य में रूस से उसकी नजदीकी और दूरगामी लक्ष्य सिद्धि के लिए ईरान, मलयेशिया और तुर्की आदि को साधने की कोशिशों से अमेरिका की भृकुटि में बल पड़ना स्वाभाविक है। ब्रिक्स के चौदहवें सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नाटो या क्वाड का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उन पर तंज जरूर कसा। उल्लेखनीय है कि भारत क्वाड का सदस्य है और उसके सहयोगी राष्ट्र हैं- अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया। चीन की परोक्ष मंशा है कि ईरान और अर्जेंटीना को ब्रिक्स में लाकर अमेरिका के विरुद्ध वैश्विक स्तर पर मोहरें बिछाए जाएं। वैश्विक संगठनों की कतार में ब्रिक्स नवजात संगठन है। इसकी पहली बैठक यों तो 16 जून, 2010 में रूस में येकातेरिंग बर्ग में हुई थी, किंतु इसकी अवधारणा जिम ओनील ने वर्ष 2001 में अपने शोधपत्र में प्रस्तुत की थी। इसके संस्थापक राष्ट्र हैं : भारत, चीन, रूस और ब्राजील। ब्राजील रूस, भारत और चीन के आद्य-रोमन अक्षरों के सायुज्य से यह समूह कहलाया ब्रिक। बाद में दक्षिण अफ्रीका के प्रवेश के उपरांत ब्रिक ब्रिक्स में तब्दील हो गया। विश्व के आर्थिक या सामरिक समूहों के सदस्यों की संख्या में इजाफा कोई नई बात नहीं है। वर्ष 1949 में सोवियत प्रभाव को रोकने के प्रयोजन से गठित नाटो के शुरुआती सदस्य 12 देश थे। अब यह संख्या ढाई गुना बढ़कर तीस तक पहुंच रही है। जहां तक ब्रिक्स का प्रश्न है, सदस्यता का फैसला सदस्य राष्ट्र पारस्परिक विचार-विमर्श से करते हैं। तय है कि ब्रिक्स में ईरान का दाखिला अमेरिका को रास नहीं आएगा। इससे आपसी रिश्तों में खटास तो पैदा होगी ही, व्हाइट हाउस इसे अमेरिका विरोधी कदम के रूप में देखेगा। राजनय यों भी तनी हुई रस्सी पर चलने की मानिंद है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा और कसौटी भी कि भारत निर्गुट और तटस्थ राजनय का निर्वाह कैसे करता है? ईरान की बेताबी को लेकर अब अटकलों की जरूरत नहीं, क्योंकि ईरान के प्रवक्ता सईद खातिब जादेह ने ब्रिक्स में सदस्यता की पुष्टि कर दी है।

पोलीगैमी से सोलोगैमी तकः घूमती दुनिया में गेम बनते रिश्ते, कितना उचित-कितना अनुचित

उनकी जिम्मेदारी केवल शरीर तक सीमित नहीं उन्हें आगे पूरे समाज और दुनिया की रचना में प्रतिभागी होना है। और उससे भी आगे, उन्हें उस प्रेम को दुनिया तक पहुंचाना है जो हवा, पानी, जमीन, आकाश सबकी ऊर्जा को समेटे उतना ही विस्तृत और गहरा है, और इस तरह आदम-हौव्वा में पनपीं भावनाएं,

संवेदनाएं। अगर आदम-हौव्वा यूं ही रह जाते तो आज हम समाज, विकास और इंसान होने से इतर सिर्फ शरीर ही रह जाते। इस इतनी लंबी भूमिका की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि आदम-हौव्वा के पास अब दिमाग तो है लेकिन उस फल से मिली विचार करने की शक्ति और भावनाओं की एक्सपायरी डेट खत्म हो गई लगती है। इसलिए रिश्ते, भावनाएं सबकुछ गौण होने लगे हैं और इच्छाएं केवल शरीर बनकर रह गई है, फिर चाहे शरीर खुद का हो या किसी और का। ये पिछले साल की बात है। ब्राजील के एक आदमी जिनका नाम आर्थर ओ ओर्सु है, उनको लगा कि प्रेम तो बिना बंदिशों, बिना सीमाओं के महसूस करने की चीज है। इसके लिए किसी एक के साथ विवाह बंधन में बंधना व्यर्थ है, तो उन्होने कुछ करने की ठानी। लेकिन उन्होंने क्यूपिड बनकर बिछड़े प्रेमियों को नहीं मिलाया, न ही लोगों के बीच बिना किसी भेदभाव के प्रेम से रहने का सन्देश दिया और न ही उन्होंने किसी ऐसी प्रेमिका के साथ जीवन बिताने के सपने देखे जो सुंदर भी नहीं थी, अमीर भी नहीं थी और औसत बुद्धि वाली थी। इन सब रास्तों के बजाय उन महाशय ने प्रेम को असीमित बनाने के लिए एक साथ, एक ही दिन 8 लड़कियों से बकायदा चर्च में शादी कर ली।

बिमल सहगल का लेख 'कंक्रीट जंगल-जाल में फंसे असहाय पंछी'

आसमान की गहराइयों को उन्मुक्त नापते पक्षियों को देख और पेड़ों की शाखाओं पर बैठे उन्हें चहचहाते सुन किसका मन खुशी से नहीं खिल जाता? दुर्भाग्यवश, बहुत लोग चाव से उन्हें घर में पिंजरे में कैद कर पालते भी हैं। तोता-मैना जैसे पक्षियों से तो हम बड़े प्यार से बातें करते हैं और उनसे घर के सदस्य जैसा व्यवहार भी करते हैं। पर ज्यों ही कोई बेघर कबूतर का जोड़ा अपना घर बसाने हमारी बालकनी या आँगन में चला आता है तो उसे तुररन्त भगाने को तत्पर रहते हैं। आराम से बैठे हम मानव द्वारा इन अपने प्राकृतिक आवासों से निर्वासित जीवों का भी सोचें और उनके प्रति सहानुभूति दिखाएँ। मुझे याद है, महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जिले के एक बूढ़े किसान के बारे में कुछ साल पहले छपा पक्षियों के प्रति उसकी संवेदना का एक समाचार काफी प्रेरणादायक और हृदय को छू जाने वाला था। वह किसान उन सैकड़ों साथियों में से एक था जिन्होंने मानसून की विफलता से आयी सूखे की स्थिति में अपनी फसल खो आर्थिक नुकसान उठाया काम आ सके। उस भयंकर सूखे से जैसे-जैसे खड़ी फसलें तबाह होने लगी और खेतों के आस-पास के सभी जलाशय सूखने लगे, इन विरोधी हालातों के चलते. अधिकतर खेतों की उपज पर ही निर्भर, गांव के आस-पास के क्षेत्रों में पेड़ों पर घोंसले बनाने वाले पक्षियों को भी अनदेखी आपदाओं का सामना करना पड़ा। सहज उपलब्ध अनाज व पानी के अभाव में न केवल उनका अपना अस्तित्व खतरे में पड़ा बल्कि

बालकनियों को जाल से ढक कर उनसे बचते हैं। इस साल की रिकॉर्ड तोड़ती गर्मी ने उनके इस अंडे देने के मौसम में उन्हें परिवार बड़ाने का कोई उचित ठिकाना ढूंढ़ने की कठिनाई के अलावा खुद के लिए इस गर्मी की मार से बचने व दाना-पानी जुटा जीवित रहने की समस्या भी पैदा हो गई है। ऐसे में ज़रूरत है कि अपने वातानुकूलित घरों में था और खुद खाने-पीने को मोहताज हो गए थे; फिर भी वह अकेला ऐसा था जिसने अपनी दयनीय अवस्था के बावजूद, सूखे से प्रभावित दूसरों की दुर्दशा के बारे में सोचा और अपने तबाह हुए ज्वार के खेत से जो थोड़ी-बहुत उपज बची थी, उसे खेत में ही छोड़ दिया ताकि वह उस से अधिक ज़रूरतमंदों जीवों के घोंसलों में अंडों के अंदर पनपती नयी ज़िंदगियों की अकाल समाप्ति भी निश्चित लगने लगी। इन दुखद संभावनाओं से आशंकित हो अपने खेत के आस-पास के इलाके के पक्षियों के प्रति सहानुभूति रखते हुए, उस बूढ़े किसान ने अपनी पूरी खड़ी फसल उनको समर्पित कर दी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर तोड़फोड़ का मामला

नई दिल्ली। उत्तरी जिला पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास पर हुई तोड़फोड़ के मामले में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या से दो घंटे पूछताछ की। सूत्रों का कहना है कि जून के आखिरी सप्ताह में तेजस्वी से पूछताछ की गई थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर हुई तोड़फोड़ के मामले में दिल्ली पुलिस ने भाजपा सांसद और भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या से पूछताछ की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जून के आखिरी सप्ताह में सांसद से उनके अशोक रोड स्थित घर जाकर पूछताछ की गई। इस दौरान पुलिस ने उनके बयान भी दर्ज किए। पुलिस ने 30 मार्च को हुई घटना की सीसीटीवी फुटेज दिखाकर उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया। करीब दो माह पूर्व कश्मीर फाइल्स मूवी को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजवरी के दिए गए बयान के बाद भाजपा व भाजयूमो के कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइंस स्थित उनके घर के बाहर प्रदर्शन किया था। जिसके बाद कुछ शरारती लोगों ने मुख्यमंत्री के घर के बाहर तोड़फोड़ करने के अलावा उनके दरवाजे पर भगवा रंग भी पोत दिया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना के बाद मामले में कुल 28 लोगों को गिरफ्तार किया था। सभी की गिरफ्तारी सीसीटीवी फुटेज व दूसरे सबूतों के आधार पर की गई थी। मामले में पुलिस लगातार भाजयूमो के अध्यक्ष व सांसद तेजस्वी सूर्या से पूछताछ करने का प्रयास कर रही थी। इसके लिए पुलिस ने सांसद के व्हाटसएप पर दो बाहर पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भी भेजे थे। लेकिन सूर्या ने पुलिस को सूचना दी थी कि जब वह दिल्ली में आएंगे तो वह जांच में शामिल होंगे। सूत्रों का कहना है कि पिछले सप्ताह दिल्ली आने के बाद उन्होंने खुद पुलिस को अपने दिल्ली में होने की बात की। एसएचओ सिविल लाइंस व जांच अधिकारी समेत बाकी पुलिस कर्मियों की टीम ने उनके घर जाकर पूछताछ की। इस दौरान उनको घटना की सीसीटीवी फुटेज भी दिखाई गई। सूत्रों का कहना है कि सांसद ने आगे भी पुलिस की पूछताछ में शामिल होने का अश्वासन दिया है। पुलिस बाकी लोगों के पहचान के प्रयास कर रही है।

शरजील इमाम के साथ मारपीट आरोपों की होगी जांच, जेल में अपनी जान को बताया था खतरा

नई दिल्ली। जेल में अपनी जान को खतरा बताते हुए अदालत में आवेदन दायर करने वाले दिल्ली दंगो की साजिश के आरोपी व जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम की याचिका पर जेल अधिकारियों ने कहा कि हम उसके आरोपों की जांच करेंगे। अदालत के सामने शरजील ने सहायक जेल अधीक्षक द्वारा उत्पीड़न व मारपीट का आरोप लगाया था। इसके साथ ही उसने कहा था कि आठ-नौ लोग तलाशी के नाम पर उसके सेल में घुस गए थे और उसके साथ मारपीट करने लगे थे।शरजील ने आरोप लगाया कि हाल ही में जेल के सहायक अधीक्षक ने तलाशी की आड़ में आठ-दस लोगों के साथ तिहाड़ जेल में उनके सेल में प्रवेश किया और उनके साथ मारपीट करते हुए उसे आतंकवादी और देशद्रोही कहा कड़कड़डूमा अदालत स्थित लिंक मजिस्ट्रेट ने हाल ही में इमाम के वकील इब्राहिम द्वारा दायर आवेदन पर जेल अधिकारियों को 'आवेदक पर किए गए हमले और तलाशी' के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था और अधिकारियों को किसी भी 'आगे के हमले' से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया गया था। उनके वकील ने आरोप लगाया कि करीब 8 से 10 अपराधी 30 जून की शाम 'तलाशी के नाम पर' इमाम के सेल में आए, उन्होंने इमाम की किताबें और कपड़े फेंक दिए और उनके साथ मारपीट की शरजील इमाम की याचिका में अदालत से आग्रह किया गया है कि जेल अधिकारियों को कथित घटना के गुरुवार 30 जून को शाम 7:15 बजे से रात 8:30 बजे तक जेल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड किए गए वीडियो को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया जाए। अब इस मामले की सुनवाई 14 जुलाई को होगी। इमाम के वकील ने कहा कि उन्हें हमले के बारे में सोमवार 4 जुलाई को सूचित किया गया, जब उन्हें कठोर यूएपीए धाराओं के तहत दर्ज दंगों के मामले में पेश होने के लिए कड़कड़डूमा अदालत में पेश किया गया था।

मानसून सत्र का दूसरा दिन आज, सदन में पक्ष विपक्ष के बीच तीखी बहस.....

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। सुबह 11 बजे से शुरू हुई सदन की कार्यवाही में आज भी पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने हिस्सा लिया और कई मुद्दों पर चर्चा की।दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय मानसून सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। सुबह 11 बजे से शुरू हुई सदन की कार्यवाही में आज भी पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने हिस्सा लिया और कई मुद्दों पर चर्चा की।भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किए गए डीटीसी के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ के आधार पर आम आदमी पार्टी के दो विधायकों का नाम लिए जाने का सदन में कड़ा विरोध हुआ। इस दौरान आप विधायकों ने भाजपा और सीबीआई के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इस वजह से कार्यवाही को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया गया। 10 मिनट बाद सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर विधानसभा अध्यक्ष की ओर से इस मुद्दे पर चर्चा कराने के निणर्य को विपक्ष ने चुनौती दी। विपक्ष ने कहा कि चर्चा न कराने का निणर्य सदन के नियम के तहत गलत है। वहीं विधानसभा अध्यक्ष और सत्तापक्ष ने निणर्य को सही ठहराया। काफी देर तक तर्क वितर्क के बाद विपक्ष शांत नहीं हुआ। लिहाजा विधानसभा अध्यक्ष ने विपक्ष के सभी सदस्य को मार्शल से बाहर निकलवा दिया। वहीं, आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के सभी सातों लोकसभा सांसदों व भाजपा के सभी 8 विधायकों की ओर से लिखे गए तमाम पत्रों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने भी लोगों के तबादले और नियुक्ति करने संबंधी पत्र लिखे होंगे लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों की तरह उनके खिलाफ भी कार्रवाई की पहल होनी चाहिए।

वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में 9 लाख से अधिक पौधे रोपित किए गए

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रदेश सरकार की वन महोत्सव कार्यक्रम में आज एक ही दिन में 25 करोड पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से गौतमबुद्धनगर का कुल 856100 पौधो का लक्ष्य आवंटित है। (वन विभाग का लक्ष्य 271500 एवं अन्य विभाग का लक्ष्य 584600) निर्धारित किया गया था। इस कार्यक्रम को जनपद में सफल बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा नामित जनपद गौतमबुद्धनगर के नोडल अधिकारी नरेन्द्र भूषण, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग 30प्र शासन की उपस्थिति में तथा सुहास एल0वाई0 जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशन एवं श्री प्रमोद कुमार प्रभागीय वनाधिकारी, गौतमबुद्धनगर के कुशल नेतृत्व में जनपद गौतमबुद्धनगर में विभिनन स्थलो पर वृक्षारोपण कार्यक्रम को व्यापक जनसहभागिता प्राप्त करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में क्रियान्वित कर वृहद स्तर पर वन विभाग द्वारा कुल 275500 पौधे एवं अन्य विभाग द्वारा 633445 पौधे कुल 921 साईटो पर 908945 पौधे रोपित किये गये जो निर्धारित लक्ष्य का 106.17 प्रतिशत रहा। उक्त कार्यक्रम के निरन्तरता में सेक्टर-136, ग्रीन बेल्ट नोएडा में खेल वन तथा शक्ति वन की स्थापना करते हुए माननीय सांसद महेश शर्मा, माननीय तेजपाल नागर, विधायक, दादरी माननीय पंकज सिंह, विधायक नोएडा, महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नरेन्द्र भूषण, आई0ए0एस0 प्रमुख सचिव / नोडल अधिकारी, लोक निर्माण विभाग उ0प्र0, सुहास एल वाई0 जिलाधिकारी, गौतमबुद्धनगर तथा प्रमोद कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा एक-एक मौलश्री का पौधा वृक्षारोपण स्थल पर रोपित किया गया तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके उसकी देख-भाल करने की अपील की गयी। वृक्षारोपण कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर प्रभागीय वनाधिकारी, गौतमबुद्धनगर / सदस्य सचिव द्वारा समस्त अधिकारियों / कर्मचारियों स्वयं सेवी संस्थाओं तथा गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वार्ड नम्बर 01 में नक्कड़ सभा मे भीड़ देख विरोधियों के छूटे पसीने

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। आज शाम करीब 7 बजे वार्ड नम्बर एक अंधरा टोला में सतना सांसद गणेश सिंह पहुंचे वार्ड नंबर 01 भाजपा प्रत्याशी गीता संतोष सोनी के समर्थन में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमे वार्ड वासियों को किया संबोधित, कार्यक्रम में उपस्थित वार्ड नंबर 1 के भाजपा प्रत्याशी गीता संतोष सोनी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीकांत चतुर्वेदी, मंडल अध्यक्ष अनुपम सोनी,कल्पना सिंह, सनत गौतम, देवेंद्र पांडेय , अमित राय, कैलाश गौतम, कार्यक्रम का संचालन रावेंद्र सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे वही सतना सांसद गणेश सिंह के हाथों दिलीप गुप्ता व आरती सिंह ने भाजपा में सदस्यता लिया साथ ही सांसद गणेश सिंह ने अपने उध्बोधन में ये कहा कि जब हमारी भाजपा पार्टी के प्रत्याशी को आप लोग चुन कर नगर पालिका में बैठाएगे तो सबसे पहले हम जिस मुहल्ले में है उसका नाम अपनी जुबान से नही लेना चाहता हु इस लिए बस्ती का नया नाम सरस्वती नगर रखा जाएगा , उसके बाद जो यहां सबसे बड़ी समस्या सड़क, नाली ,पानी , उससे भी बड़ी समस्या जो यहां रह रहे लोग उनको उन्ही स्थानों पर पट्टा दिया जाएगा जैसा कि मुख्यमंत्री जी का आदेश है कि जो जहाँ रह रहा है वहा वही उसका पट्टा फिर आवास योजना , शौचालय, इसके अलावा और जो भी भाजपा सरकार के योजनाएं है उनको सभी वार्ड वासियों को दिए जाएंगा इस लिए मेरी अपील हैं कि वार्ड नम्बर एक से भाजपा प्रत्याशी गीता संतोष सोनी को विजयी बनाये और चौमुखी वार्ड का विकास कराए , वही आज वार्ड में भाजपा के इस नुक्कड़ सभा के आयोजन में उम्मीद से ज्यादा वार्डवासियों की उपस्थिति ने विरोधियों के आंख नाक कान सब खोल दिये लेकिन आज इस वार्ड में हुई भाजपा प्रत्यशी के समर्थन में उमड़े जन सैलाब ने पार्षदी चुनाव को रोमांचकारी बना दिया है लोगो के अंदर एक अलग ही उत्साह दिखा भाजपा के प्रति लोगो को लग भी रहा है कि भाजपा ही देवी धाम की वषी से डूबती नैया को पार लगा सकती है, वैसे जानकारों की माने तो सतना सांसद ने शायद दूसरी बार इस वार्ड की गली में घुसे थे और पहली बार नुक्कड़ सभा के माध्यम से देवी धाम के लोगो को संबोधित किया है अब देखना हैं कि सतना सांसद की बातों पर कितना भरोसा वार्डवासी करते। मिली जानकारी अनुसार कुछ विरोधियों के द्वारा सडयंत्र कर लोगो को फोन कर भाजपा को बदनाम करने उल्टे सीधे बातों से भड़काने की कोशिश की जा रही है लेकिन विरोधियों को ये नही मालूम कि ये देवी जी धाम का क्षेत्र है यहां के लोग बेवकूफ नही बनते।

नाटो देशों ने स्वीडन, फिनलैंड को सदस्य बनाने संबंधी प्रोटोकॉल पर किए हस्ताक्षर

रूस को अलग-थलग करने की कोशिश तेज

नई दिल्ली। प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर होने का मतलब स्वीडन और फिनलैंड के नाटो खेमे में और अधिक जगह बनाने से है। करीबी साझेदार के रूप में, वे पहले ही गठबंधन की कुछ बैठकों में भाग ले चुके हैं। दोनों देश अब आधिकारिक आमंत्रितों के रूप में, राजदूतों की सभी बैठकों में भाग ले सकते हैं। नाटो के 30 सहयोगियों ने स्वीडन, फिनलैंड को सदस्य बनाने के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अब दोनों देशों का सदस्यता संबंधी अनुरोध विधायी मंजूरी के लिए गठबंधन की राजधानियों को भेजा गया। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस को रणनीतिक तौर पर अलग-थलग करने के प्रयास के तहत यह कार्रवाई की गई। नाटो महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा, यह फिनलैंड, स्वीडन व नाटो के लिए ऐतिहासिक क्षण है।हालांकि गठबंधन में समझौते के बावजूद, तुर्की इन दोनों देशों को अंतिम रूप से शामिल करने पर अभी भी बाधा खड़ी कर सकता है। इसके पीछे तुर्की के नेता रजब तैयब एदीगॉन की वह चेतावनी है जिसमें उन्होंने तुर्की की संसद द्वारा समझौते के अनुमोदन से इनकार की बात कही थी। स्वीडन-फिनलैंड के लिए यह एक बाधा है क्योंकि नाटो में उन्हें शामिल करने को अंतिम रूप देने के लिए सभी 30 देशों के औपचारिक अनुमोदन की जरूरत होगी।प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर होने का मतलब स्वीडन और फिनलैंड के नाटो खेमे में और अधिक जगह बनाने से है। करीबी साझेदार के रूप में, वे पहले ही गठबंधन की कुछ बैठकों में भाग ले चुके हैं। दोनों देश अब आधिकारिक आमंत्रितों के रूप में, राजदूतों की सभी बैठकों में भाग ले सकते हैं। लेकिन उनके पास मताधिकार नहीं होगा। लुहांस्क छोड़ने के बाद यूक्रेनी बलों ने दोनेस्क में संभाला नया मोर्चा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा लुहांस्क की महीनों से जारी लड़ाई में अपनी जीत की घोषणा करने के बाद यूक्रेनी फौज शहर से बाहर आ गई। इसके बाद उसने दोनेस्क में दूसरे अहम मोर्चों पर मोर्चा संभाल लिया है। यूक्रेन किसी भी सूरत में इसे खोना नहीं चाहता है। इसके लिए उसने यहां अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लुहांस्क को खोने के बाद अब यूक्रेन की सेना दोनेस्क के लिए नई रक्षात्मक रणनीति तैयार कर रही है। उधर, पुतिन ने दोनेस्क के सैन्य ठिकानों पर कब्जा करने का आदेश दे दिया है। हर तरफ रूसी हवाई हमलों के निशान रूसी हमलों से अपनी जान बचाकर दिनीप्रो के शरणार्थी शिविर में शरण लेने वाली नीना ने बताया कि शहर में हर तरफ रूस के हवाई हमलों के निशान हैं। यहां अब कुछ नहीं बचा है। यह शहर दुनिया का सबसे बुरा चेहरा बन चुका है। यहां मानवीय आधार पर कोई वितरण केंद्र तक नहीं बचा है। सब कुछ खत्म हो गया है। यहां लोगों के मकान अब खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। युद्ध में तबाह हुआ मकान, कीव के पास खुले में समय गुजार रहे यूक्रेनी वेलेन्त्याना क्लाइमेंको (70) जितनी देर से हो सके, घर लौटने का प्रयास करती हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव के बाहर स्थित युद्ध से क्षतिग्रस्त अपने घर की कालिमा को वह अनदेखा करने को कोशिश करती हैं। कभी दोस्तों के घर चली जाती हैं तो कभी कुएं के पास पानी लेने। उन्हें अपना फोन चार्ज करने के लिए भी स्थान खोजना पड़ता है। इसके बाद वह अकेली एक अपार्टमेंट में स्थित अपने घर लौटती है, जो कभी शोर-गुल और जिंदगी से भरपूर हुआ करता था। अब अपने बच्चों के भी नातियों-पोतों की आवाजों के बजाय उनका स्वागत करने के लिए सूने कमरे और हल्की रोशनी ही है। वह शायद ही कभी खाना बनाती है। इसके बजाय वह फल और टमाटर जैसी वस्तुएं खाकर काम चलाती हैं। वह अपने पोर्टेबल गैस स्टोव का भी इस्तेमाल नहीं करतीं और जल्द ही बेड पर चली जाती है। मार्च के आखिर में रूसी फौजी कीव के आसपास के इलाके से चले गए थे, लेकिन अपने पीछे बुचा क्षेत्र की 16,000 आवासीय इमारतें छोड़कर, जहां बोरोद्यांका स्थित है।

मां शारदा की पवित्र नगरी मैहर में विशेष मुंडन मुहूर्त पर भक्तों की जनसैलाब

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मा शारदा की नगरी में आज विशेष मुंडन मुहूर्त पर उमड़ा भक्तों की जन सैलाब रोपवे में 130 रुपये लेने के बाद भी सुविधाएं शून्य जिम्मेदार अधिकारी मौके पर कोई नही वीआईपी में मची आतंक रोपवे वीआईपी की दुर्दशा बच्चे रोते बिलखते चिल्लाते, विकलांग व्हीलचेयर तक टूटी पड़ी जिन लाइनों में यात्री लगे उन स्थानों पर पानी सुविधा नही जिस कारण भीड़ भाड़ से यात्री निकल नही पाता और भक्त व बच्चे सबसे ज्यादा परेशान रुपये कमाने की होड़ में दामोदर रोपवे मैहर ने सब कुछ बेच खाया सुविधाओ की देखने व पूछने वाले जिम्मेदार अधिकारी खुली छूट दे दिए है रोपवे प्रबंधन को

रामवीर सिंह बिधूड़ी बोलेः मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल देश और सेना से मांगें माफी

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने चीन के छक्के छुड़ा दिए। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ऐसा वक्तव्य देकर पूरे राष्ट्र का और भारतीय सेना का अपमान किया है। दिल्ली विधानसभा नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि भाजपा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस वक्तव्य को राष्ट्रविरोधी करार देती है जिसमें उन्होंने यह कहा कि चीन भारत की धरती पर घुस आया। बिधूड़ी ने कहा कि यह पूरे राष्ट्र का अपमान है और केजरीवाल को इस वक्तव्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री के इस वक्तव्य के विरोध में विधानसभा से वाकआउट किया । बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने मुंह मियां मिट्ठू बनते रहते हैं और विधानसभा में ही ऐसा ही वक्तव्य देते रहते थे। बिधूड़ी ने कहा कि चीन भारत की एक इंच जमीन पर भी नहीं घुस पाया और भारतीय जवानों ने उसे खदेड़ दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन राष्ट्र के मुद्दे पर इस तरह की घटिया राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने विधानसभा में मुख्यमंत्री से कहा कि वह अपने शब्द वापस लें लेकिन जब उन्होंने ऐसा नहीं किया तो पूरे भाजपा विधायक दल ने विधानसभा से वाकआउट कर दिया। राष्ट्रविरोधी वक्तव्य के लिए पूरे राष्ट्र और भारतीय सेना से माफी मुख्यमंत्री को मांगनी चाहिए।

पति के जाने के बाद घर बुलाया दोस्त, अचानक पहुंचे युवक ने दोनों को साथ देख पत्नी को मार डाला

नई दिल्ली। मृतका रश्मि बवाना स्थित एक फैक्टरी में काम करती थी, जबकि अनिल प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में काम करता था। रश्मि की फैक्टरी में काम करने वाले युवक बबलू से दोस्ती हो गई थी। इस बात को लेकर दंपती में झगड़ा होने लगा। दिल्ली के केएन काटजू मार्ग इलाके में एक युवक ने अपनी पतने की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी हत्या करने के बाद दरवाजा बंद कर फरार हो गया। आरोपी के चचेरे भाई ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हत्या का मामला दर्ज किया है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी को शक था कि उसकी पतने का एक युवक से संबंध है। मृतका की शिनाख्त रश्मि (30) के रूप में हुई है। वह मूलतः ओडिशा की रहने वाली थी। रविवार दोपहर पुलिस को रश्मि की हत्या किए जाने की जानकारी अनिल के भाई सुनील ने दी। पूछताछ में पता चला कि छह साल पहले रश्मि का अनिल से प्रेम विवाह हुआ था। एक साल पहले अनिल अपनी पतने को लेकर दिल्ली आ गया था। वह अपनी पतने के साथ रोहिणी सेक्टर-16 में किराए के मकान में रहता था। रश्मि बवाना स्थित एक फैक्टरी में काम करती थी, जबकि अनिल प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में काम करता था। रश्मि की फैक्टरी में काम करने वाले युवक बबलू से दोस्ती हो गई थी। इस बात को लेकर दंपती में झगड़ा होने लगा। सुनील ने पुलिस को बताया कि अनिल सारी बात उससे बताता था। शनिवार को अनिल किसी काम से दिल्ली से बाहर गया था। रविवार को जब वह वापस आया तो बबलू को अपने घर में देखा, इस बात पर दंपती के बीच जमकर झगड़ा हुआ। बात इतनी बढ़ गई कि अनिल ने अपनी पतने का गला घोंटकर उसकी जान ले ली। दोपहर में अनिल ने सुनील को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद सुनील ने पुलिस को घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अनिल की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

12 साल के करियर में सिर्फ छह हिट फिल्में, फिर सुपरस्टार्स को कैसे टक्कर दे पाते हैं रणवीर

नई दिल्ली । बॉलीवुड इंडस्ट्री के एनर्जेटिक एक्टर रणवीर सिंह आज 37 साल के हो गए हैं। साल 1985 को मुंबई में जन्मे रणवीर आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। वह जहां भी जाते हैं फैंस को अपना बना लेते हैं। उनकी एनर्जी फैंस की एक्साइटमेंट को भी बढ़ा देती है। इतना ही नहीं, फैंस उनकी हर नई फिल्म का इंतजार करते हैं।

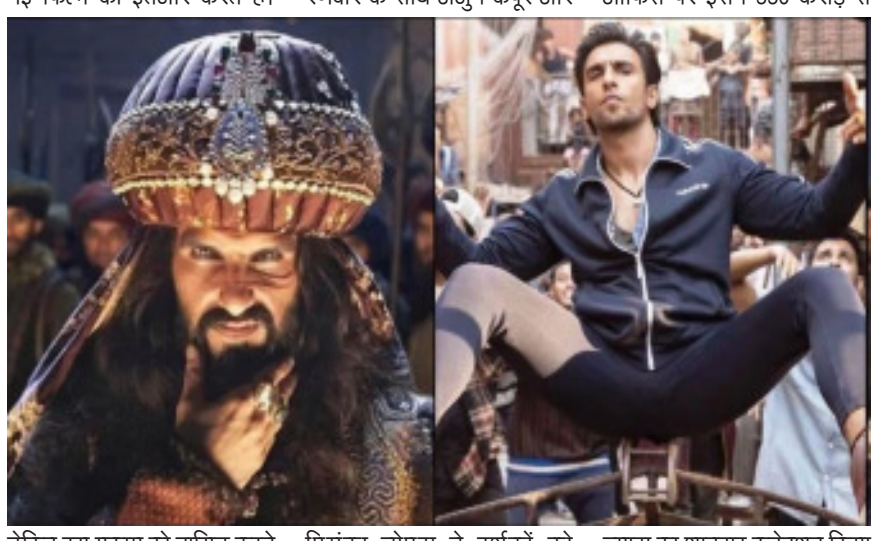

लेकिन इस मुकाम को हासिल करने के लिए रणवीर ने खूब पापड़ बेले हैं। उन्होंने फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से इंडस्ट्री में कदम रखा, जो साल 2010 में रिलीज हुई। बीते 12 वर्षों में उन्होंने 15 फिल्मों में काम किया है और आपको जानकार हैरानी होगी कि इसमें भी सिर्फ छह फिल्में ही हिट रहीं। लेकिन इसके बावजूद अभिनेता के स्टारडम में कोई कमी नहीं आई। आइए आपको आज रणवीर की हिट फिल्मों की एक शानदार लिस्ट दिखाते हैं।रणवीर सिंह ने बेशक इंडस्ट्री में फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से कदम रखा था लेकिन उन्हें असली पहचान साल 2014 में आई 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' ने दी। दीपिका पादुकोण संग उनकी जोड़ी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म में एक धांसू लव स्टोरी थी, जिसने रातों-रात रणवीर को सुपरस्टार बना दिया। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म की लागत लगभग 80 करोड़ है लेकिन फिल्म ने 220 करोड़ की बंपर कमाई की थी। इसके बाद रणवीर 'गुंडे' में नजर आए और इसमें भी उन्होंने धमाल मचा दिया। 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म में दोस्ती और लव ट्रायंगल दिखाया गया। कहानी थोड़ी पुरानी कही जा सकती है लेकिन रणवीर के साथ अर्जुन कपूर और प्रियंका चोपड़ा ने दर्शकों को सिनेमाघरों में आने के लिए मजबूर कर दिया था। 48 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 78 करोड़ का कलेक्शन किया। फिल्म को सेमी हिट करार दिया गया है। मराठा युग पर आधारित इस फिल्म ने रणवीर के करियर को चार-चांद लगाने का काम किया है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर ने पेशवा बाजीराव का किरदार निभाया और उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आई। हालांकि, प्रियंका का भी फिल्म में अहम किरदार था। 145 करोड़ के बजट में बनी फिल्म सुपरहिट रही। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 300 करोड़ से भी ज्यादा की कमाई की थी। रणवीर इंडस्ट्री के चॉकलेट ब्वॉय कहते जाते हैं लेकिन जब वह 'पद्मावत' में नजर आए, तो सबको हैरान कर दिया। खिलजी बने रणवीर सिंह को फिल्म की सफलता का श्रेय दिया गया। उनकी एक्टिंग, अंदाज और डांस तक ने फैंस को उनका दीवाना बनाया दिया था। हालांकि, फिल्म में दीपिका और शाहिद कपूर भी थे। लेकिन बात रणवीर की ज्यादा हुई। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में इस फिल्म को लगभग 215 करोड़ की लागत में बनाया गया और बॉक्स ऑफिस पर इसने 550 करोड़ से ज्यादा का शानदार कलेक्शन किया था। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आए और बॉक्स ऑफिस पर छा गए। फिल्म में रणवीर के साथ सारा अली खान थीं और दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। रणवीर की इस फिल्म का बजट लगभग 80 करोड़ की लागत आई। लेकिन फिल्म ने लगभग 240 करोड़ का कलेक्शन किया था। अपना टाइम आएगा... गाना आज भी फैंस की जुबां पर रहता है और इसी गाने ने रणवीर को रैपर भी बना दिया। 'गली ब्वॉय' में रणवीर एक रैपर की भूमिका में दिखे थे और फैंस के बीच छा गए। दर्शकों को उनका स्टाइल खूब पसंद आया था। इसी वजह से फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। 55 करोड़ में बनी इस फिल्म ने 150 करोड़ से भी ज्यादा का बिजनेस किया।

क्या 'एक विलेन रिटर्न्स' में दिखेगा मोहित सूरी का जादू पिछली फिल्म की कामयाबी दोहरा पाएगी नई कहानी.....

नई दिल्ली । बॉलीवुड में हिट फिल्मों का सीक्वल बनाने का चलन काफी पुराना है। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता को भुनाने के लिए फिल्ममेकर इन मूवीज के कई भाग बनाते हैं। हालांकि हर बार मेकर्स हाथ सफलता नहीं लगती। फिल्मों के कई ऐसे उदाहरण हैं जिसका पहला भाग हिट तो हुआ लेकिन जब निर्माताओं ने इसका दूसरा भाग बनाया तो यह बॉक्स

ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गईं। फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के सामने भी यही चुनौती नजर आ रही है। इसका पहला भाग बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट हुआ था। अब मोहित सूरी इस फ्रेंचाइजी की दूसरी किश्त लेकर आ रहे है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट ऐसी है जिनके सितारे इस समय गर्दिश में चल रहे हैं। दरअसल, इस फिल्म में काम करने वाले सभी सितारों की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई हैं। ऐसे में अब सवाल उठने लगे है कि क्या मोहित सूरी का जादू इस फिल्म की नैया पार लगा पाएगा या नही इस फिल्म में जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आने वाले हैं। यूं तो जॉन कई हिट फिल्में दे चुके है लेकिन पिछले कुछ समय से उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पा रही है। जॉन की आखिरी फिल्म 'अटैक' थी। इस फिल्म से जॉन को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई जॉन की तरह अर्जुन कपूर की फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप फिल्में रही है। उनकी पिछली चार फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हैं। संदीप और पिंकी फरार तो बॉक्स ऑफिस पर कब आई कब गई किसी को पता ही नहीं चल सका। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मात्र 0.35 करोड़ का कलेक्शन किया था। दिशा पाटनी आखिरी बार फिल्म राधे द मोस्ट वांटेड भाई में सलमान खान के साथ नजर आई थीं। कोरोना महामारी की वजह से यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज की गई थी। इस फिल्म को लोगों ने बिलकुल पसंद नहीं किया था। फिल्म की कमजोर कहानी की वजह से सलमान खान और प्रभुदेवा की खूब आलोचना भी हुई थी। तारा सुतारिया बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। हालांकि उनका करियर का ग्राफ काफी उतार चढ़ाव भरा रहा है। तारा की आखिरी फिल्म हीरोपंती थी जो इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 24 करोड़ का कलेक्शन किया था। बॉक्स ऑफिस पर भले ही इन चारों एक्टर्स की पिछली फिल्में न चली हों, लेकिन निर्देशक मोहित सूरी पर इस फिल्म को हिट कराने का पूरा दम रखते हैं। मोहित को उनकी दमदार कहानियों की वजह से जाना जाता है। वह अब तक कई सुपरहिट फिल्में बना चुके हैं। एक विलेन, मर्डर 2 आशिकी 2 राज 2, जहर और कलयुग उनकी प्रमुख हिट फिल्में हैं।

अब शुरू हुए 'रॉकेट्री' के लिए स्कूली बच्चों के ग्रुप शोज.....

नई दिल्ली । सोमवार की गिरावट के बाद मंगलवार को निर्माता, निर्देशक और अभिनेता आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने फिर से अपने कलेक्शन में बढ़ोत्तरी दर्ज करनी शुरू कर दी है। देश के कई हिस्सों से इस फिल्म के लिए ग्रुप बुकिंग और स्कूली छात्रों के स्पेशल शोज भी होने शुरू हो गए हैं। फिल्म देखने वाले इस फिल्म को देश में टैक्स फ्री करने की मांग भी कर रहे हैं। फिल्म का कलेक्शन मंगलवार को बढ़ने का तादाद सोमवार को घटने के बाद मंगलवार को फिर से बढ़ने लगी है। फिल्म ने रिलीज के पहले वीकएंड में 8.75 करोड़ रुपये का अच्छा कारोबार किया था। सोमवार के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने सभी भाषाओं को मिलाकर करीब 1.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म की तमिल संस्करण से करीब 50 लाख रुपये, हिंदी संस्करण से करीब 76 लाख रुपये और मलयालम संस्करण स करीब चार लाख रुपये की कमाई हुई।

आमतौर पर नई रिलीज होने वाली फिल्मों की कमाई शुक्रवार से लेकर रविवार तक बढ़ती है इसके बाद सोमवार से लेकर गुरुवार तक फिल्म की कमाई लगातार घटती जाती है और ये कमाई अगले वीकएंड पर जाकर ही फिर से बढ़ना शुरू होती है। लेकिन फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने मंगलवार को आश्चर्यजनक रूप से अपनी कमाई सोमवार की कमाई से बेहतर कर ली है। फिल्म ने सोमवार के कलेक्शन में मंगलवार को करीब पांच लाख रुपये की बढ़ोत्तरी शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक की है। फिल्म का मंगलवार का कलेक्शन करीब 1.35 करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है। उधर, फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' के साथ ही रिलीज हुई फिल्म 'राष्ट्रकवच ओम' का कलेक्शन मंगलवार को और गिरा और अब ये आंकड़ा एक करोड़ रुपये के नीचे पहुंचता दिख रहा है। फिल्म को जी स्टूडियोज ने पूरे देश में रिलीज किया है।

सीधा असर इसके साथ रिलीज हुई फिल्म 'राष्ट्रकवच ओम' और बीते हफ्ते की रिलीज 'जुग जुग जियो' के गिरते कलेक्शन पर दिख रहा है। इस बीच माधवन ने शुक्रवार से फिल्म के तमिल संस्करण के शोज बढ़ाने का वादा किया है। 1 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' की रिलीज दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माताओं की संस्था के लिए हाल में लिए गए फैसले के चलते ओटीटी पर 15 अगस्त के बाद ही संभव हो सकेगी। इस बीच फिल्म को देखने वाले दर्शकों की

गायन-वादन ही नहीं,अभिनय प्रतिभा के भी धनी थे बालामुरलीकृष्ण इस फिल्म में बने थे नारद

नई दिल्ली । एम. बालामुरलीकृष्ण लोकप्रिय गायक और संगीतकार थे। अपने सुरीले कंठ के लिए उन्हें खास पहचान मिली। इसके अलावा बालामुरलीकृष्ण मृदंगम और वायलिन वादन में मास्टर थे। साथ ही, अभिनय प्रतिभा के भी धनी थे। एम बालमुरलीकृष्ण कर्नाटक

संगीत की बहुत ही सम्मानित हस्ती होने के साथ ही एक ऐसे गायक थे, जिन्होंने भारतीय एकता और अखंडता को लेकर काफी गीत गाए थे। राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा...' में भी इन्होंने अपनी आवाज दी। आज बालामुरलीकृष्ण का जन्मदिन है। आइए जानते हैं इनके बारे में एम. बालमुरलीकृष्ण देश की मशहूर और सम्मानित हस्तियों में से एक थे। उनका जन्म 6 जुलाई 1930 को आंध्र प्रदेश के संकरागुप्तम में हुआ था। संगीत के प्रति प्रेम और प्रतिभा इन्हें विरासत में मिली थी। इनके पिता मंगल्लमपल्ली पट्टाभिरामय्या एक प्रसिद्ध बांसुरी वादक और संगीत के शिक्षक थे। वहीं, बालामुरलीकृष्ण की माता सूर्यकान्थम्मा एक वीणा कलाकार थीं। पिता भी बालामुरलीकृष्ण की प्रतिभा को बचपन में ही पहचान गए थे, लिहाजा उन्होंने इन्हें श्री पारुपल्ली रामकृष्ण पंतुलू के संरक्षण में रखा। उनके मार्गदर्शन में बालामुरलीकृष्ण ने कर्नाटक संगीत की बुलंदियों को छूआ। बालामुरलीकृष्ण ने महज 6 साल की उम्र से ही गाना शुरू कर दिया था। कर्नाटक वाद्य संगीत, वॉयला और वायलिन बजाने में बालमुरलीकृष्ण बेजोड़ थे। 15 साल की उम्र से ही वह नियमित रूप से कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने लगे थे। बता दें कि बचपन में उनका नाम मुरली कृष्ण था, लेकिन एक बार उनकी प्रतिभा को उस वक्त के मशहूर संगीतकार सूर्यनारायण मूर्ती भगवातार ने देखा तो उनके नाम के आगे बाला जोड़ दिया। इस तरह इनका नाम बालामुरलीकृष्ण हुआ। गायन-वादन के साथ-साथ बालामुरीकृष्ण में अभिनय प्रतिभा भी कूट-कूट कर भरी थी। तेलगू, कनन्ड़, संस्कृत और तमिल सहित कई भाषाओं की तमाम फिल्मों में अपना गायन देने के साथ बालामुरलीकृष्ण ने कुछ तेलगू और तमिल फिल्मों में अभिनय भी किया। इन्होंने 1967 में आई फिल्म 'भक्त प्रहलाद' में नारद की भूमिका के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने चार दशकों तक अपने संगीत से श्रोताओं को लुभाया। संगीत क्षेत्र की बेहद सम्मानित हस्ती बालमुरलीकृष्ण राष्ट्रीय एकता को समर्पित प्रसिद्ध गाने 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' में दिखे थे, जिसमें उन्होंने तमिल में कुछ पंक्तियां गायी थीं। वर्ष 1965 में आई शिवाजी गणेशन अभिनीत 'तिरूविलयादल' का उनका गाना 'ओरू नाल पोथुमा' तमिल श्रोताओं में बेहद लोकप्रिय हुआ था। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया था। वह भारत के तीनों पद्म पुरस्कार- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किए गए थे। 22 नवंबर 2016 को बीमारी के कारण बालमुरलीकृष्ण का निधन हो गया और वह सदा के लिए इस दुनिया से चले गए। मगर, संगीत के क्षेत्र में उन्होंने जो योगदान दिया, उसके लिए वह हमेशा याद रखे जाएंगे।

दो हजार रुपये तक पहुंची 'थॉर लव एंड थंडर' की आईमैक्स टिकट, एडवांस बुकिंग में कमाए इतने करोड़

नई दिल्ली । मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) की 29वीं फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' की गुरुवार 7 जुलाई को होने वाली रिलीज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर एडवांस बुकिंग धड़ल्ले से जारी है। फिल्म के टिकट रेट कुछ सिनेमाघरों में 1800 रुपये तक पहुंच चुके हैं। कई शहरों में फिल्म के शो गुरुवार के शो सुबह 6.30 बजे से तो कुछ चुनिंदा शहरों में पहला शो इससे भी पहले रात 12.15 बजे से शुरू हो जाएगा। मार्वल स्टूडियोज की ये फिल्म भारत में 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मैडनेस ऑफ मल्टीवर्स' की सफलता को कायम रखने की उम्मीद बनाए हुए है, एमसीयू की इस पिछली फिल्म ने देश में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था। भारत में मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के प्रशंसकों की संख्या इसकी साल 2008 में रिलीज हुई पहली 'आयरमैन' के बाद से लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक इस सीरीज की 28 फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' इस कड़ी की 29वीं फिल्म है। मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की ये कहानियां फिल्म दर फिल्म आगे बढ़ती रही हैं। इनके सोलो सुपरहीरो पहले अपनी अपनी कहानी को अपने अपने यूनिवर्स में आगे बढ़ाते रहे हैं। फिर ये सारे सुपरहीरो 'एवेंजर्स' सीरीज की फिल्मों में एक साथ आकर दुनिया को खतरों से बचाते रहे। फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' के बाद रिलीज हुई फिल्म 'स्पाइडरमैनः फार फ्रॉम होम' के बाद से ये सीरीज फेज 4 में पहुंच चुकी है और इस फेज की अब तक पांच फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' की एडवांस बुकिंग के मंगलवार की शाम तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने अब तक करीब नौ करोड़ रुपये सिर्फ एडवांस बुकिंग से कमा लिए हैं। इनमें सबसे ज्यादा टिकटें अंग्रेजी संस्करण की करीब 6.50 करोड़ रुपये की बिकी हैं। इसके बाद फिल्म के हिंदी संस्करण की टिकटें करीब 2.25 करोड़ रुपये की बिक चुकी हैं। भारत में अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने एमसीयू की फिल्म 'एवेंजर्स एंडगेम' रही है जिसने 2019 में 373.22 करोड़ रुपये की कमाई की थी। भारत में रिलीज होने वाली हॉलीवुड फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली तीनों फिल्में एमसीयू की है। जहां तक बात फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' की है तो ये फिल्म करीब 185 मिलियन डॉलर यानी तकरीबन 1463 करोड़ रुपये की लागत से बनी है। इसे थोर की सोलो हीरो फिल्मों में सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है। भारत में अमेरिका से एक दिन पहले रिलीज हो रही फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगू, कनन्ड़ और मलयालम में भी रिलीज हो रही है और पहले दिन ये फिल्म देश के करीब 2800 स्क्रीन्स पर दिखाई जाएगी। अभी तक के अनुमानों के मुताबिक फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' भारत में पहले दिन करीब 25 करोड़ रुपये की ओपनिंग ले सकती है। एमसीयू की पिछली 'डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मैडनेस ऑफ मल्टीवर्स' की भारत में ओपनिंग 28.35 करोड़ रुपये की रही थी। जानकार बताते है कि निर्देशक टाइका वाइटीटी ने थॉर के किरदार को जैसे पिछली फिल्म 'थॉर रैगनारॉक' में एक अलग स्तर तक पहुंचाया था उसी तरह इस बार भी फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' में थॉर के किरदार के साथ उन्होंने कुछ चुनिंदा प्रयोग किए हैं। इस फिल्म के साथ ही थॉर इकलौता ऐसा एमसीयू किरदार बन जाएगा जिसकी चार सोलो फिल्में रिलीज हुई हैं। फिल्म 'थॉरः लव एंड थंडर' में महिला किरदारों की भी बढ़ोतरी हो रही है। दर्शक इस बार माइटी थॉर को देखने के लिए काफी लालायित भी दिख रहे हैं।

वो लाजवाब डायरेक्टर जो कभी नहीं भुलाया जाएगा, जानिए उनकी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से

नई दिल्ली । आज की तारीख में बॉलीवुड जो कुछ भी है उसे इस स्तर तक पहुंचाने का क्रेडिट चेतन आनंद को जाता है। चेतन आनंद प्रसिद्ध अभिनेता देव आनंद के बड़े भाई थे। कहा जाता है कि चेतन आनंद की बदौलत ही देव आनंद फिल्मों में आ सके थे। चेतन आनंद फिल्म निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे। उन्होंने फिल्म

इंडस्ट्री को जो कुछ भी दिया है वह भुलाया नहीं जा सकेगा। 1949 में उन्होंने अपने भाई देव आनंद के साथ 'नवकेतन फिल्म्स' की स्थापना भी की थी। आज चेतन आनंद की पुण्यतिथि है, इस खास मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं- चेतन आनंद ने 1940 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पहली स्क्रिप्ट अशोका की लिखी थी, जिसे वह मुंबई में डायरेक्टर फानी मजूमदार को दिखाने गए। तब डायरेक्टर फानी मजूमदार ने उन्हें अपनी फिल्म राजकुमार के लिए लीड रोल में कास्ट कर लिया। ये फिल्म 1944 में रिलीज हुई। इसके बाद उन्होंने सोच लिया कि वह फिल्मों में डायरेक्शन करेंगे। फिर उन्होंने नीचा फिल्म नाचा नगर का निर्देशन किया। ये फिल्म हिट हुई और 1946 में इस फिल्म ने कान फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट फिल्म का पुरस्कार भी जीता। इसके बाद 1949 में चेतन ने अपने भाई देव आनंद के साथ मिलकर 1949 में नवकेतन फिल्म्स की स्थापना की। नवकेतन फिल्म्स की स्थापना के बाद उन्होंने टैक्सी ड्राइवर, हकीकत, हीर रांझा, कुदरत, आखिरी खत, हिंदुस्तान की कसम, आंधियां, अफसर, हाथों की लकीरें, काला बाजार, अमन, अर्पण, परमवीर चक्र जैसी शानदार फिल्में दी हैं। चेतन की ज्यादातर फिल्मों में प्रिया राजवंश का खास रोल होता था। प्रिया और चेतन एक दूसरे से प्यार करते थे। प्रिया सुख-दुख में हमेशा उनके साथ रहती थीं। दोनों जिंदगी भर साथ रहे, लेकिन कभी शादी नहीं की। 1967 में एक फिल्म आई 'द लॉन्ग डुअल', इसे रणवीर सिंह ने लिखा था। रणवीर चाहते थे कि इस फिल्म में प्रिया लीड रोल में रहें। हालांकि तब किसी वजह से ये फिल्म होल्ड हो गई। कुछ दिनों बाद रणवीर ने चेतन से बात की और उनसे कहा कि उनकी फिल्म के लिए एक नया चेहरा मिल गया है। चेतन ने उसकी फोटो भेजने के लिए कहा। तब चेतन ने जैसे ही प्रिया की तस्वीर देखी तो वह देखते ही रह गए। एक और बात और ये शायद बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि प्रिया राजवंश ने ही उन्हें चेतन आनंद नाम दिया था। इससे पहले उनका नाम वीर सुंदर सिंह था। प्रिया ने अपने करियर में ज्यादातर फिल्में चेतन के साथ कीं। इस दौरान चेतन और प्रिया एक-दूसरे के काफी नजदीक आ गए थे। चेतन पहले से शादीशुदा थे और दो बेटे भी थे। लेकिन प्रिया के लिए उन्होंने अपनी पत्नी उमा को छोड़ दिया और इनके साथ रहने लगे। फिर 82 साल की उम्र में चेतन आनंद साल 1997 में दुनिया से रुखसत हो लिए। चेतन की मौत के बाद प्रिया अकेली पड़ गईं। 27 मार्च 2000 को चेतन आनंद ने बेटे केतन और विवेक आनंद ने नौकरों के साथ मिलकर प्रिया की हत्या कर दी। हत्या के जुर्म में उन दोनों को उम्रकैद की सजा भी हुई। हालांकि मौत की असल वजह सामने नहीं आ पाई, लेकिन प्रिया का अंत दुखद हुआ था।

शक्ति कपूर का बेटा होने पर भी नहीं चल सका करियर, ड्रग्स केस में हो चुके हैं गिरफ्तार

नई दिल्ली । बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत कपूर आज अपना 38वां जन्मदिन मना रहे हैं। सिद्धांत बॉलीवुड के फेमस एक्टर शक्ति कपूर के बेटे और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के भाई है। सिद्धांत का जन्म 6 जुलाई 1984 को मुंबई में हुआ था। वह अब तक कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि बतौर लीड एक्टर वह अब तक हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह नहीं बना सके हैं। बचपन से फिल्मी माहौल में पले-बढ़े सिद्धांत ने बड़े होकर एक्टिंग को ही अपना प्रोफेशन बनाने की ठानी। इसके लिए उन्होंने बाकायदा कोर्स भी किया है। उन्होंने ली स्ट्रासबर्ग थिएटर एंड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्म मेकिंग और एक्टिंग की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने डिस्क जॉकी के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। पर्दे पर दिखने से पहले वह मशहूर फिल्म डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ दो साल तक काम कर चुके हैं। सिद्धांत फिल्म भूल भुलैया, भागम भाग, चुप चुप के, ढोल सहित कई फिल्मों में बतौर सहायक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम कर चुके हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, बेकिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274